लखनऊ

शुक्रवार 27 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 340

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

आँख के बदले आँख' के प्राचीन सिद्धान्त से तो एक दिन सभी अंधे हो जाएंगे। - मार्टिन लुथर किंग, जूनियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

आगरा एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी बिहार-दिल्ली डबल डेकर बस, 2 यात्रियों की मौत

इटावा। बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस गुरुवार को आगरा एक्सप्रेसवे पर रेलिंग तोड़ते हुए सड़क से नीचे गिर गई। हादसे में 2 यात्रियों की मौत हुई है। हादसा इटावा के सैफई थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 103 पर हुआ, जिसमें 50 यात्री घायल हो गए हैं। इनमें 10 की हालत गंभीर है। सभी घायल सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। मृतकों में नेपाल निवासी सईदा खातून (22) और दरभंगा के रहने वाले मनोज कुमार (55) शामिल हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद इटावा के जिलाधिकारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कराया। बताया जा रहा है कि डबल डेकर बस चालक को नींद की झपकी आई थी, जिससे बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे चली गई। हालांकि, बस चालक रामप्रवेश का कहना है कि उसके आगे चलने वाली गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने से संतुलन बिगड़ा था। हादसे के समय बस में 80 यात्री सवार थे।

उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग में यात्रियों से भरी बस अलकनंदा नदी में गिरी, 11 लापता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां यात्रियों को लेकर जा रही बस अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में गिर गई। हादसा बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर घोलतीर में हुआ है। हादसे के बाद 11 यात्री लापता बताए जा रहे हैं। यहां का पानी का बहाव भी काफी तेज है। हादसे की सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। एक महिला का शव बरामद कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के समय मिनी ट्रैवलर बस में 18 यात्रियों के सवार होने की सूचना मिली है, जो राजस्थान से तीर्थ यात्रा पर यहां आए थे। अचानक से बस के अनियंत्रित होने पर वह लुढ़कने लगी तो 6 से 7 लोग बस से बाहर गिर गए, जिसमें 2 बच्चे भी शामिल हैं। ये सभी घायल हैं। बचाव कार्य में जुटे कर्मचारी नदी में बहे लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। बचाव कार्य जारी है। उत्तराखंड में इस समय काफी बारिश हो रही है, जिससे पहाड़ों पर हादसों की सूचनाएं आ रही हैं। एक दिन पहले ही हल्द्वानी के कोतवाली क्षेत्र में 7 यात्री सवार एक कार सिंचाई नहर में गिर गई थी, जिसमें 4 की मौत हुई थी।

सोमनाथ भारती की पत्नी ने निर्मला सीतारमण पर किया मानहानि केस, दिल्ली की अदालत में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत पर सुनवाई करेगी। यह शिकायत पिछले साल 17 मई को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मित्रा और भारती की शादी के बारे में सीतारमण द्वारा दिए गए कथित मानहानिकारक, झूठे और दुर्भावनापूर्ण बयानों से उपजी है।

संसद या संविधान, सर्वोच्च क्या? सीजेआई गवई ने कर दिया क्लियर, कहा- मेरे लिए...

अमरावती। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने बुधवार को यह क्लियर करते हुए बताया है कि देश का संविधान सर्वोपरी है। उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग (न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका) संविधान के अधीन काम करते हैं। सीजेआई गवई ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरी राय में देश का संविधान सबसे ऊपर है। बता दें, सुप्रीम कोर्ट के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में उन्होंने पिछले महीने शपथ ली थी।

अपने होमटाउन पहुंचे सीजेआई

सीजेआई अपने होमटाउन अमरावती के दौरे पर गए थे, जहां उनका अभिनंदन समारोह हो रहा था। समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकती।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने कहा, 'हमेशा इस बात पर चर्चा होती है कि लोकतंत्र का कौन-सा अंग सर्वोच्च है- कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका? कई लोग मानते और कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरे हिसाब से भारत का संविधान सर्वोच्च है।'

सीजेआई ने न्यायाधीशों को दी सलाह

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के तीनों अंग संविधान के तहत काम करते हैं। सीजेआई ने कहा कि सरकार के खिलाफ आदेश पारित करने मात्र से कोई न्यायाधीश स्वतंत्र नहीं हो जाता है। उन्होंने कहा, 'एक न्यायाधीश को हमेशा याद रखना चाहिए की हमारा एक कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास सिर्फ शक्ति ही नहीं है, बल्कि हम पर एक कर्तव्य भी डाला गया है।'

सीजेआई ने कहा कि एक न्यायाधीश को इस बात से निर्देशित नहीं होना चाहिए कि लोग उनके फैसले के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग क्या कहेंगे, यह हमारी निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन सकता है।'

वकील बनाना चाहते थे पिता

सीजेआई ने जोर देकर कहा कि उन्होंने हमेशा अपने फैसलों और काम को बोलने दिया है और हमेशा संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के साथ खड़े रहे। 'बुलडोजर न्याय' के खिलाफ अपने फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आश्रय का अधिकार सर्वोच्च है। चीफ जस्टिस ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि वह आर्किटेक्ट बनना चाहते थे, जबकि उनके पिता चाहते थे कि वह वकील बनें। उन्होंने कहा, मेरे पिता वकील बनाना चाहते थे, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाए क्योंकि उस समय स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा होने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

बनना चाहता था आर्किटेक्ट, पिता की ख्वाहिश से बना वकील : सीजेआई गवई

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में वकीलों के एसोसिएशन की ओर से देश के चीफ जस्टिस बीआर गवई को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में चीफ जस्टिस गवई के परिवार के सदस्यों, हाईकोर्ट के न्यायाधीशों, मित्रों, स्कूल के शिक्षकों समेत कई बड़े वकील शामिल हुए। समारोह के दौरान चीफ जस्टिस ने पुरानी यादों को ताजा किया। अमरावती चीफ जस्टिस बीआर गवई का जन्मस्थान है। समारोह में चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा, मैं कभी भी वकील नहीं बनना चाहता था। मैं हमेशा एक वास्तुकार बनना चाहता था। दरअसल हुआ ये कि मेरे पिता दादसाहेब एलएलबी कर रहे थे लेकिन वह भूमिहीन सत्याग्रह आंदोलन के दौरान जेल चले गए। इसके चलते वह परीक्षा के लिए उपस्थित नहीं हो सके। उसके बाद उन्होंने पूर्णकालिक राजनीति में सक्रिया हो गए। इसलिए वह वकील नहीं बन सके। हालांकि, वह चाहते थे कि मैं एक वकील बनूं। मैं उनके आदेशों पर एक वकील बन गया और आगे चलकर इस जगह तक पहुंचा। पिता के आदेशों का पालन कर आज में खुश हूं। देश के चीफ जस्टिस बनने के बाद न्यायमूर्ति भूषण गवई ने स्पष्ट कर दिया था कि वे अपने अमरावती जिला वकील संघ की ओर से प्रथम अभिनंदन स्वीकार करेंगे। अमरावती जिला वकील संघ ने उपस्थित अनेक गणमान्यों और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की मौजूदगी में चीफ जस्टिस गवई का अभिनंदन किया। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच के जस्टिस नितिन सांबरे की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन.वी. रमन्ना, बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच के जस्टिस प्रवीण पाटिल, जस्टिस अनिल किलोर शामिल हुए। चीफ जस्टिस गवई ने कहा उन्होंने जज बनने के बारे में कभी सोचा ही नहीं था।

अभिषेक बनर्जी का दावा, पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा को मिलेंगी 50 से भी कम सीटें

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से कम सीटें मिलेंगी। बनर्जी ने आज सतगाछी में बोलते हुए कहा कि मैं वादा करता हूं कि 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई सीटों की कुल संख्या 50 से कम होगी। 2021 में, भाजपा की गिनती 77 पर रुक गई। मैंने कहा था कि 2024 में तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी, और यह सच साबित हुआ। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा के बातूनी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार 9000 वोटों से जीते। उन्होंने मेरे खिलाफ लोगों को संगठित करने की भी हिम्मत की। अगर वह 50 साल तक राजनीति करते हैं और 10 चुनाव लड़ते हैं, तब भी उनका अंतर 7.1 लाख के करीब नहीं आएगा, जो मुझे डायमंड हार्बर में मिला था।

दो पहिया वाहनों पर नहीं लगेगा को कोई टोल, नितिन गडकरी ने सभी अटकलों को बताया गलत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि 15 जुलाई 2025 से दोपहिया वाहनों को टोल टैक्स देना होगा। मीडिया के दावों को खारिज करते हुए गडकरी ने कहा कि ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं है। उन्होंने बिना पुष्टि किए फर्जी खबरें प्रकाशित करने के लिए मीडिया घरानों की निंदा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ मीडिया घराने दोपहिया वाहनों पर टोल टैक्स लगाने के बारे में भ्रामक खबरें फैला रहे हैं। ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं है। दोपहिया वाहनों के लिए टोल पर छूट पूरी तरह जारी रहेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भी इन फर्जी मीडिया रिपोर्टों की तथ्य-जांच की। एनएचएआई ने एक पोस्ट में कहा, 'फैक्टचेक: मीडिया के कुछ वर्गों ने रिपोर्ट की है कि भारत सरकार दोपहिया वाहनों पर उपयोगकर्ता शुल्क लगाने की योजना बना रही है। एनएचएआई स्पष्ट करना चाहता है कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। दोपहिया वाहनों के लिए टोल शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है।' हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि 15 जुलाई से सभी दोपहिया वाहनों को राजमार्गों पर टोल टैक्स देना होगा। रिपोर्टों में आगे दावा किया गया है कि दोपहिया वाहनों को डिजिटल टोल संग्रह के तहत लाने के कदम के साथ सरकार यह सुनिश्चित करने की योजना बना रही है कि राजमार्गों के रखरखाव की लागत में हर कोई योगदान दे।

उधमपुर में एनकाउंटर, 4 आतंकी फंसे, ऑपरेशन में खराब मौसम बना बाधा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बसंतगढ़ के भाली इलाके में आज सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई. बताया जा रहा है कि चार आतंकी इलाके में फंसे हैं। सुरक्षा बल घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं लेकिन खराब मौसम बड़ी बाधा बनी। फिलहाल मुठभेड़ जारी है।

जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी के अनुसार उधमपुर जिले में बसंतगढ़ के भाली इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच सुबह करीब 8:30 बजे मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से फायरिंग की गई। भारतीय सेना की 16 कोर की ओर से इस बारे में जानकारी दी गई।

कहा गया, खुफिया सूचना के आधार पर एक संयुक्त अभियान भारतीय सेना और जम्मू- कश्मीर पुलिस द्वारा बसंतगढ़ के इलाके में शुरू किया गया। सुरक्षा बलों के आतंकवादियों के ठिकानों के पास पहुंचने पर उन्होंने गोलीबारी की।

सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस तरह दोनों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। फिलहाल सर्च ऑपरेशन में प्रगति पर है। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। इस क्षेत्र में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके को सील कर दिया गया है ताकि आतंकवादी किसी भी हाल में ना भाग पाए। पिछले साल से बसंतगढ़ क्षेत्र आतंकवादियों के टारगेट पर रहा। कई बार आतंकवादियों को घेरा गया लेकिन वे घने वन क्षेत्र का लाभ उठाकर एक भाग निकले। उल्लेखनीय है कि बसंतगढ़ क्षेत्र उधमपुर जिले में है और उधमपुर शहर उत्तरी कमांड का मुख्यालय है। इस बीच आईजीपी जम्मू जोन भीम सेन टूटी ने कहा है कि उनके आकलन के अनुसार चार आतंकवादियों के उस क्षेत्र में फंसे होने का अनुमान है। खराब मौसम के चलते ऑपरेशन में बाधा पहुंच रही है। बता दें कि 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के बाद से यह तीसरी मुठभेड़ है। बता दें कि इससे पहले मंगलवार को जम्म-कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी के पास अग्रिम इलाके में आतंकी गतिविधि देखी गयी। मुस्तैद सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की और उसके बाद पुंछ, सांबा और कठुआ जिलों में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया।

भारत के स्टैंड पर ईरान हुआ खुश, जताया आभार

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान ने सैन्य हमलों के दौरान उसके साथ खड़े रहने के लिए भारत के प्रति आभार जताया. इजराइल ने उसके खिलाफ हमला किया था जबकि बाद में अमेरिका ने भी उसके परमाणु ठिकानों पर भीषण बमबारी की.

ईरानी दूतावास ने एक बयान में कहा कि वह तेहरान का साथ देने वालों के वास्तविक और अमूल्य समर्थन की सराहना करता है. हालांकि, इसने भारत सरकार का कोई संदर्भ नहीं दिया. अमेरिका द्वारा रविवार सुबह ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के बाद ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष बढ़ गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम की घोषणा की.

बुधवार को युद्ध विराम लागू होता दिख रहा है. अपनी प्रतिक्रिया में नई दिल्ली ने मंगलवार को संघर्ष विराम का स्वागत किया और कहा कि वह स्थिति को सुलझाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है. ईरानी दूतावास ने भारत के सभी स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों जो ईरान के साथ दृढ़ता और मुखरता से खड़े हैं उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया. स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों में राजनीतिक दल, संसद सदस्य, गैर-सरकारी संगठन, धार्मिक और आध्यात्मिक नेता, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, मीडिया के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और सभी व्यक्ति और संस्थान शामिल हैं. दूतावास ने कहा कि एकजुटता, समर्थन, सार्वजनिक बयानों और शांति-उन्मुख समारोहों में सक्रिय भागीदारी के संदेश जब ईरानी लोग सैन्य हमले के अधीन थे, गहरे प्रोत्साहन का एक स्रोत थे। इस आक्रामकता के सामने ईरानी लोगों की दृढ़ता न केवल उनकी मातृभूमि और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा थी, बल्कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर, मानवतावादी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून के मूलभूत मानदंडों के गंभीर उल्लंघन के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक था।

नौसेना मुख्यालय का कर्मचारी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्थित नौसेना मुख्यालय का एक कर्मचारी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान विशाल यादव के तौर पर हुई है। यादव हरियाणा का रहने वाला है और मुख्यालय में डॉकयार्ड निदेशालय में क्लर्क के रूप में तैनात है। यादव पर आरोप है कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए कई वर्षों से काम कर रहा था और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसने कई गुप्त सूचनाएं पाकिस्तान को दी हैं। महीनों निगरानी के बाद राजस्थान की खुफिया पुलिस ने उसे आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजस्थान की खुफिया इकाई पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की जासूसी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। तभी जांच के दौरान पता चला कि यादव ने नौसेना और अन्य रक्षा इकाइयों से जुड़ी गोपनीय जानकारियों को एक महिला को मुहैया कराकर पैसे लिए हैं। महिला पाकिस्तानी हैंडलर थी, जिससे यादव सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में था। अभी तक जांच में सामने आया है कि जिस महिला के साथ यादव कथित तौर पर सामरिक जानकारी साझा कर पैसे ले रहा था, उसका नाम प्रिया शर्मा है। पुलिस का कहना है कि विशाल यादव ऑनलाइन गेम खेलता है, जिससे उसने काफी पैसा लुटा दिया है। उसकी भरपाई के लिए वह जासूसी कर पैसे जुटा रहा था।

राजनाथ सिंह ने एससीओ शिखर सम्मेलन में साझा बयान दस्तावेज पर हस्ताक्षर से इंकार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को चीन में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक में साक्षा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। दरअसल, सिंह ने बैठक में पहलगाम और आतंकवाद समेत कई मुद्दों पर बात की, जिससे पाकिस्तान और चीन बचना चाह रहे थे। बैठक के बाद सिंह को आतंकवाद को लेकर साक्षा बयान पर हस्ताक्षर करना था, लेकिन इससे आतंकवाद पर भारत का रुख कमजोर होता, इसलिए उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए।

रिपोर्ट के मुताबिक, एससीओ रक्षा मंत्रियों के साझा बयान में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र नहीं किया गया है, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों को 22 अप्रैल को गोली मारी गई थी। इसके बजाय बयान में पाकिस्तान के बलूचिस्तान का नाम शामिल किया गया है, जहां पाकिस्तान लगातार भारत पर अशांति फैलाने का आरोप लगाता है। चर्चा है कि पाकिस्तान के कहने पर उसके मित्र देश चीन ने मेजबान देश होने के नाते पहलगाम घटना को दस्तावेज से बाहर किया है।

सिंह ने एससीओ बैठक में चीन और रूस के रक्षा मंत्रियों से द्विपक्षीय मुलाकात की है, जबकि उनकी पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं हुई। यहां तक ख्वाजा आसिफ से नमस्कार भी नहीं हुआ। भारत ने पहले ही स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान से आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत होगी। 2001 में स्थापित एससीओ का उद्देश्य सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। इसमें भारत, चीन, बेलारूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर सिंह के दौरे को लेकर लिखा, किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह ने आतंकवाद, कट्टरपंथ और उग्रवाद के खिलाफ एकजुट वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया और उन्हें क्षेत्रीय शांति और विश्वास के लिए बड़ा खतरा बताया। उन्होंने एससीओ देशों से दोहरे मापदंड को अस्वीकार करने और आतंकवाद के प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। उन्होंने भारत की शून्य-सहिष्णुता

ईरान से 272 भारतीयों, 3 नेपाली नागरिकों को विमान लेकर पहुंचा दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इजरायल के साथ संघर्ष के बाद ईरान से 272 भारतीयों और तीन नेपाली नागरिकों को निकाला है। उन्हें लेकर एक विशेष विमान ईरानी शहर मशहद से आधी रात के बाद दिल्ली पहुंचा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत 272 भारतीय और 3 नेपाली नागरिकों को ईरान से एक विशेष उड़ान के जरिए निकाला गया, जो 26 जून को 00:01 बजे मशहद से नई दिल्ली पहुंची। ऑपरेशन सिंधु के तहत 3426 भारतीय नागरिकों को ईरान से स्वदेश लाया गया है। भारत ने बुधवार को ईरान से 296 भारतीय नागरिकों और चार नेपाली नागरिकों को निकाला था। भारत ने मंगलवार को ईरान और इज़राइल से 1,100 से अधिक नागरिकों को निकाला था।

इसने भारतीय वायुसेना के सी-17 भारी-भरकम विमान का उपयोग करते हुए 400 से अधिक लोगों को इजराइल से वापस लाया है, जिन्हें स्थल पारगमन बिंदुओं के माध्यम से इजराइल से जॉर्डन और मिस्र ले जाया गया था। इसके अलावा, 161 भारतीयों को अम्मान से एक चार्टर्ड विमान से वापस लाया गया, जो सड़क मार्ग से इजरायल से जॉर्डन की राजधानी पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए विवरण के अनुसार, दो चार्टर्ड उड़ानों में कुल 573 भारतीयों, तीन श्रीलंकाई और दो नेपाली नागरिकों को ईरान से निकाला गया। पिछले कई दिनों में ईरान से निकाले गए भारतीय नागरिकों को कई अन्य उड़ानों से वापस लाया गया है। एक सप्ताह से भी अधिक समय पहले शत्रुता शुरू होने के बाद से इजरायल और ईरान ने एक-दूसरे के शहरों और सैन्य और रणनीतिक सुविधाओं पर सैकड़ों मिसाइलों और ड्रोनों को दागा है।

मकान के लालच में किया था निकाह...इनकार पर ट्रक चालक ने पत्नी का धड़ से अलग कर दिया था सिर; फिर यहां फेंका

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मझोला क्षेत्र के टीपीनगर में मकान के लिए पत्नी की हत्या करने के बाद खुरपी से उसकी गर्दन काटकर सिर गागन नदी में फेंकने वाले हत्यारोपी ट्रक चालक शाने अली उर्फ रिहान के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है।

करीब दो सौ पन्नों की चार्जशीट में मृतका के पिता और बच्चों के बयानों का भी जिक्र किया गया है। भगतपुर के चूहा नगला निवासी तबस्सुम ने पहले पति आसिफ की मृत्यु के बाद मैनाठेर के डींगरपुर निवासी ट्रक चालक शाने अली (35) से निकाह कर लिया था। तबस्सुम का एक मकान मझोला क्षेत्र के टीपीनगर जन्नत बाग में है।

पुलिस ने चार्जशीट में दावा है कि शाने अली इस मकान को अपने नाम कराना चाहता था। तबस्सुम ने मकान आरोपी के नाम कराने से इनकार कर दिया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। तबस्सुम मायके गई थी।

गागन नदी में फेंक दिया था सिर

11 अप्रैल को शाने अली चूहा नगला पहुंच गया और वहां से तबस्सुम को अपने साथ टीपीनगर ले आया था। 12 अप्रैल की रात आरोपी पत्नी के सिर पर ईंट से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। इसके बाद खुरपी से उसकी गर्दन काटकर धड़ मकान में ही जीने के नीचे गड्ढा खोदकर दबा दिया था। जबकि सिर को गागन नदी में फेंक कर पत्नी का मोबाइल भी अपने साथ लेकर चला गया था।

पत्नी की हत्या की बात कबूल की

करीब एक माह बाद पुलिस ने हत्यारोपी को पकड़कर पूछताछ की, तब आरोपी ने कबूला है कि उसने ही अपनी पत्नी की हत्या की थी। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि इस मामले में विवेचना पूरी करने के बाद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी गई है।

जिसमें डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों को चार्जशीट का हिस्सा बनाया गया है। आरोपी के अलावा मृतका की मां, पिता और बच्चों के बयानों को चार्जशीट का हिस्सा बनाया गया है। अब इस मामले में कोर्ट में मजबूती के साथ पैरवी की जाएगी और हत्यारोपी को सजा दिलाई का प्रयास रहेगा।

साजिश के तहत बच्चों को नहीं लेकर आया था साथ

तबस्सुम की शादी करूला निवासी आसिफ के साथ हुई थी, जिससे तबस्सुम को पांच बच्चे हुए थे। घटना से करीब एक साल पहले महिला ने शाने अली के साथ निकाह कर लिया था। चार्जशीट में पुलिस ने बताया है कि शाने अली तबस्सुम को मायके से अपने साथ लेकर आया लेकिन बच्चों को वहीं छोड़ दिया था।

अगले दिन तबस्सुम को उसकी मां पूनम ने कॉल की तो उसका नंबर बंद था। शाने अली को कॉल की तो उसने जानकारी होने से इनकार दिया था। इसके बाद उस पर शक गहरा गया था लेकिन एक माह तक वह ट्रक से जगह-जगह घूमता रहा और पुलिस को भी अपनी लोकेशन गलत बताता रहा।

डीएनए जांच के लिए भेजे गए हैं सैंपल

महिला का धड़ घर में मिला था जबकि उसका सिर गागन नदी से बरामद हुआ था। पुलिस ने शव और धड़ का पोस्टमार्टम कराया। सिर और धड़ एक ही महिला के हैं, इसकी पुष्टि के लिए डीएनए सैंपल लिए गए थे। जिसे फोरेंसिक लैब जांच के लिए भेजा गया है।

आरोपी के मोबाइल की कॉल डिटेल, रिकॉर्डिंग रहेगी अहम

महिला की गुमशुदगी दर्ज कराने के बाद पुलिस टीम ने इस केस पर काम करना शुरू किया। पुलिस ने आरोपी की कॉल डिटेल निकलवाई और उसे कॉल की। आरोपी गलत लोकेशन बता रहा था जबकि उसके मोबाइल की लोकेशन अलग आ रही थी। इस दौरान पुलिस उससे बातचीत की रिकॉर्डिंग कर रही थी। जिससे चार्जशीट हिस्सा बनाया गया है।

बीएसए उपेन्द्र गुप्ता के खिलाफ शुरु हुई साजिश

सुलतानपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता को बदनाम करने के लिए उनके खिलाफ साजिश शुरु हो गई है। बीएसए के नाम पर पैसा मांगने का आडियो वायरल कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। बीएसए ने इस मामले में सीधे तौर पर साजिश करने वाले मई महीने में निलंबित किए गए शिक्षकों के नाम का हवाला देते हुए उनकी साजिश का नाकाम करते हुए कहाकि इन शिक्षकों के खिलाफ कोई और कार्रवाई उनकी ओर से न की जाए, इसलिए आड़ियो जारी कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई। उन्होंने अपना सीयूजी नम्बर जारी करते हुए कहाकि अगर उनके नाम से कोई पैसा मांगता है तो तत्काल उन्हें सूचना दें। बीएसए के नाम पर वसूली करने का आडियो निलंबित शिक्षकों ने बनाकर सोशल मीडिया को हथियार बनाया है।

ब्राह्मणों पर आपत्तिजनक पोस्ट पर कार्यवाही को लेकर सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। कटका क्लब ने सोशल मीडिया पर निरंतर उत्तर प्रदेश में चल रही ब्राह्मण समाज के ऊपर आपत्तिजनक शब्दों के खिलाफ मुख्यमंत्री के नाम सिटी मजिस्ट्रेट प्रवीण कुमार को ज्ञापन सौंपा कर कार्यवाही कि मांग की।

इस मौके पर संस्था अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने बताया कि जनपद इटावा के अंदर में बीते दिनों श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक के साथ हुई अभद्रता के लिए हम सभी और हम अमाजनमानस विरोध कर रहा है। लेकिन सोशल मीडिया पर बीते दिनों से ब्राह्मण समाज के ऊपर आपत्तिजनक शब्दों का प्रोग्राम किया जा रहा है। जिसका संस्था विरोध करती हैं और कड़ी कार्यवाही कि मांग करती हैं। इस मौके पर एडवोकेट वेदांग त्रिपाठी ने बताया कि ब्राह्मण समाज के बीच अपनी जाति छुपाकर जाना, वहां के महिलाओं के साथ अभद्रता करना जो बेहद दुख है लेकिन सुल्तानपुर में ही नहीं उत्तर प्रदेश में सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग किया जा रहा है। जिससे ब्राह्मण समाज में काफी रोष है। इसी संबंध में ज्ञापन सौंपा गया है।

सीएमओ ने किया डायरिया रोको अभियान का शुभारम्भ

31 जुलाई तक चलेगा अभियान, आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियाँ

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने बृहस्पतिवार को जनपद के नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मीनगर में डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) का शुभारम्भ किया, जो कि आगामी 31 जुलाई तक चलेगा। अभियान का शुभारम्भ करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता में शामिल है। अभियान की इस साल की थीम- "डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने इस मौके पर शून्य से पांच साल तक के बच्चों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां प्रदान की और उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए। उन्होंने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठकों में डायरिया से जुड़े प्रमुख संदेशों पर प्राथमिकता से चर्चा की जाएगी। बैठक में बताया जाएगा कि दस्त के दौरान बच्चों को ओआरएस का घोल और तरल पदार्थ दिया जाए, दस्त होने पर बच्चों को उम्र के अनुसार 14 दिनों तक जिंक की गोली अवश्य दी जाए, स्वच्छ पेयजल का उपयोग किया जाए और खाना बनाने से पूर्व, परोसने से पूर्व और खाना खिलाने से पूर्व और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह से अवश्य धुलें। अभियान के तहत जनपद और ब्लाक स्तर पर दस्त प्रबन्धन गतिविधियों से सम्बन्धित समस्त स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक कर डायरिया से जुड़े प्रमुख संदेशों पर चर्चा की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिनका अभियान में सहयोग लिया जा रहा है। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार, पार्षद यतेंद्र माहौर, जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर डॉ. पारुल, अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर फौजिया, डीएमसी यूनिसेफ पूनम यादव, पीएसआई इंडियासे शशांक दुबे व चोब सिंह बघेल आदि मौजूद रहे।

डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस और जिंक कॉर्नर बनाये जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रचार वाहन भी चलाने पर चर्चा हुई। डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि दीवार लेखन के माध्यम से भी लोगों को डायरिया के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फ्रंट लाइन वर्कर का डायरिया के बारे में अभिमुखीकरण पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि डायरिया रोको अभियान के दौरान लाभार्थियों को दो ओआरएस के पैकेट और 14 दिन के लिए जिंक टेबलेट दिया जाना सुनिश्चित किया जाए।

अप्रैल से मई आते-आते 50 परसेंट कम हो गए गाड़ियों के चालान

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद में अप्रैल के मुकाबले मई में चालान काटे जाने की संख्या में करीब 50 फीसदी की गिरावट आई है। ट्रैफिक विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, मई में 54,825 चालान काटे गए। अप्रैल में 103,171 चालान काटे गए थे। यानी मई में अप्रैल से लगभग आधे चालान काटे गए।

यह कमी उन प्रतिबंधों के बाद आई है, जिनके तहत चालान जारी करने का अधिकार केवल ट्रैफिक इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और उच्च पदस्थ अधिकारियों तक सीमित कर दी गई थी। 20 अप्रैल को गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने घोषणा की थी कि अब हेड कांस्टेबलों के पास चालान काटने का अधिकार नहीं रहेगा। यह अधिकार अब ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर और उच्च पदस्थ अधिकारियों के पास ही रहेगा।

फरवरी में काटे गए सबसे अधिक चालान

2025 के पहले पांच महीनों में, अधिकारियों ने विभिन्न अपराधियों को कुल 612,891 चालान जारी किए। फरवरी में सबसे अधिक 161,554 चालान जारी किए गए। उसके बाद जनवरी में 148,662 और मार्च में 144,679 चालान जारी किए गए। ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, गाजियाबाद पुलिस ने जनवरी से मई के बीच गलत साइड ड्राइविंग के लिए 112,871 चालान और ओवरस्पीडिंग के लिए 13,479 चालान जारी किए।

चालान की श्रेणियों में निरंतर गिरावट

इस अवधि में चालान की श्रेणियों में निरंतर गिरावट देखी गई। गलत साइड ड्राइविंग के लिए जारी किए गए चालानों की संख्या जनवरी में 33,686, फरवरी में 32,937, मार्च में 26,279, अप्रैल में 14,125 और मई में सबसे कम 5,844 थी। इस बीच, ओवरस्पीडिंग चालान जनवरी में 3,171, फरवरी में 3,455, मार्च में 3,513, अप्रैल में 1,729 और मई में 1,611 थे।

जनवरी-मई के बीच 6 लाख से अधिक जुर्माना लगया गया

इस वर्ष जनवरी-मई के बीच गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने 6 लाख से अधिक जुर्माना लगाया। बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालों पर सबसे अधिक जुर्माना लगाया गया। वहीं जुर्माने के मामले में गलत दिशा में वाहन चलाने वाले दूसरे नंबर पर रहे। अप्रैल में की गई घोषणा परिणामस्वरूप, मई में कुल जुर्माने की संख्या अप्रैल की तुलना में लगभग 50 फीसदी कम हो गई।

जिले में फिलहाल सिर्फ 80 टीएसआई

एसीपी (ट्रैफिक) जियाउद्दीन अहमद ने कहा कि ट्रैफिक चालान में कमी का कारण चालान जारी करने का अधिकार ट्रैफिक इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और उच्च पदस्थ अधिकारियों स्तर तक सीमित होना है। जिले में फिलहाल सिर्फ 80 टीएसआई हैं। पहले ट्रैफिक हेड कांस्टेबल को चालान काटने का अधिकार था, लेकिन 21 अप्रैल से हेड कांस्टेबल के पास यह अधिकार नहीं है। जिले में 250 हेड कांस्टेबल कार्यरत हैं।

राखी बांधती थी नेहा . . . तौफीक बना रहा था शादी का दबाव, 5 मंजिला से फेंककर मार डाला ; कातिल के भाई ने ये कहा

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। दिल्ली के ज्योति नगर में नेहा को पांचवीं मंजिल से धक्का देकर मौत के घाट उतार देने के मामले में पुलिस ने तौफीक को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ की है। नेहा के परिजनों का कहना है कि नेहा तौफीक को भाई मानती थी और उसको राखी बांधती थी, लेकिन तौफीक उस पर शादी का दबाव बना रहा था।

इस बीच तौफीक के भाई ने तौफीक पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया है साथ ही आरोप लगाया कि नेहा तौफीक पर ही शादी का दबाव बना रही थी। दिल्ली के ज्योति नगर निवासी नेहा की सोमवार को मौत हो गई थी।

नेहा के परिजनों का कहना है कि तौफीक ने नेहा को मकान की पांचवीं मंजिल से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया था। इस मामले में तौफीक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। टांडा निवासी तौफीक की तलाश में दिल्ली पुलिस कस्बे में आई थी।

पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस की टीम तौफीक को अपने साथ ले गई थी। नेहा के पिता का कहना है कि तौफीक पिछले तीन वर्षों से उनके घर आता-जाता था, लेकिन वह उनकी बेटी के लिए हमेशा 'भाई' जैसा ही रहा।

नेहा हर रक्षाबंधन पर उसे राखी बांधती थी, जिस पर हमने भरोसा किया, उसी ने हमारे घर की इज्जत को खत्म कर दिया। नेहा के परिवार का कहना है कि तौफीक ने पूर्व नियोजित तरीके से नेहा की हत्या की है और अब मामले को मोड़ देने की कोशिश की जा रही है।

भाई बोला दोनों के बीच थे प्रेम संबंध

तौफीक के भाई निजाम का दावा है कि घटना के दिन तौफीक 60 हजार रुपये की वसूली के लिए नेहा के घर गया था, जो नेहा की मां ने उससे उधार लिए थे। इसी दौरान कहासुनी हुई और नेहा का पिता आकर तौफीक को धक्का देने लगा। निजाम के अनुसार, उसी धक्का-मुक्की के बीच तौफीक हटने लगा और उसका हाथ नेहा को लग गया, जिससे वह ऊपर से नीचे गिर गई।

तौफीक के परिजन ने आरोप लगाया कि उनके बेटे को साजिश के तहत फंसाया जा रहा है और पुलिस एकतरफा कार्रवाई कर रही है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। दिल्ली पुलिस का दावा है कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि नेहा और तौफीक के बीच प्रेम संबंध थे।

तौफीक की शादी तय हो जाने के बाद दोनों के बीच विवाद हुआ था और उसी दौरान झगड़े में तौफीक ने नेहा को ऊपर से धक्का दे दिया। फिलहाल पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली जा रही है

प्रेमिका के परिजनों को फंसाने के लिए खुद पर चलवाई गोली, गलत जगह लगने से मौत, सीसीटीवी ने बदली हत्या की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। गंगानगर थाना इलाके के गांव अम्हेड़ा आदिपुर में हर्ष (21) ने मंगलवार रात प्रेमिका (12वीं की छात्रा) के परिजनों को फंसाने के लिए अपने 15 साल के नाबालिग दोस्त से तमंचे से खुद पर गोली चलवाई। गोली पेट की साइड के बजाए सीने में जा लगी। इससे हर्ष की मौके पर मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, गंगानगर थाना इलाके के अम्हेड़ा आदिपुर गांव में संजय जाटव का परिवार रहता है। उनका बड़ा पुत्र हर्ष मजदूरी करता था। हर्ष मंगलवार शाम छह बजे मजदूरी कर घर लौटा। करीब सात बजे घर से निकल गया। देर रात तक घर नहीं लौटा।

बुधवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे ग्रामीणों ने पुलिस को ईंख के खेत में शव पड़ा होने की सूचना दी। मृतक की पहचान हर्ष के रूप में हुई। जांच के लिए बुलाई गई फॉरेंसिक टीम को शव के नीचे तमंचा मिला, उसमें कारतूस का खोखा फंसा हुआ था।

इस मामले में हर्ष के पिता संजय ने प्रेमिका के पिता और उसके चचेरे भाई पर हत्या का केस दर्ज करा दिया। हालांकि इसके बाद पुलिस ने जांच करनी शुरू की तो युवती के पिता और अन्य परिजन सीसीटीवी कैमरों के लिहाज से घर पर ही मौजूद पाए गए।

इसके बाद पुलिस ने अन्य फुटेज खंगाले तो गांव में और शराब की दुकान पर लगे सीसीटीवी के फुटेज में हर्ष और उसका दोस्त शराब खरीदते व आते-जाते दिखाई दिए। पुलिस ने दोस्त को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा कर दिया। बाद में पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हर्ष का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया।

सीसीटीवी फुटेज ने बदल दी हत्या की कहानी

पुलिस का कहना है कि नाबालिग दोस्त ने जानकारी दी है कि रात करीब एक बजे हर्ष ने उसे तमंचा देकर यह कहकर पेट पर गोली मारने के लिए कहा कि गोली पेट से छूकर निकलनी चाहिए, जिससे वह युवती के परिजनों को फंसा सके। नशे में दोस्त ने तमंचे से गोली चलाई और यह सीने में जा लगी। इससे हर्ष की मौत हो गई।

हर्ष की मौत के बाद आरोपी दोस्त ने शराब के तीन पव्वे और खाने को उठाकर बहुत दूर फेंक दिया। हर्ष का फोन फ्लाइट मोड पर लगाकर नलकूप की छत पर फेंक दिया। एक कारतूस घटनास्थल से काफी दूर फेंका और घर जाकर सो गया। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि दो दिन पहले युवती के पिता ने हर्ष के खिलाफ थाने में तहरीर दी थी। आरोप लगाया था कि वह उसकी बेटी को परेशान करता है। पुलिस ने उसे तलाशा था, मगर वह नहीं मिला था। युवती के भाई के साथ हर्ष का झगड़ा भी हुआ था और उसके भाई ने हर्ष का मोबाइल भी छीन लिया था इसी बात से हर्ष युवती के परिजनों से नाराज था।

तमंचे के साथ हुआ था फोटो वायरल

कुछ दिन पूर्व हर्ष का दोस्तों से विवाद हो गया था। दोस्तों के पास हर्ष का एक फोटो था जिसमें वह तमंचा लिए हुए था। दोस्तों ने वह फोटो वायरल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में हर्ष के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज किया था। हर्ष को इस मामले में जमानत मिल गई थी। हर्ष की हत्या करने वाला नाबालिग दोस्त बुधवार सुबह शव मिलने पर घटनास्थल पर भी पहुंचा था।

पिता के मोबाइल पर रात एक बजे की थी कॉल

हर्ष के छोटे भाई हनी ने बताया कि रात करीब एक बजे पिता संजय के मोबाइल पर उसने कॉल की थी, मगर पिता सो रहे थे। सुबह उनकी एक मिस्ड कॉल पड़ी थी। हत्याकांड का खुलासा होने पर मृतक के पिता की ओर से नामजद कराए गए युवती के परिजनों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है।

-डॉ. विपिन ताड़ा, एसएसपी

दरोगा-सिपाही निलंबित, हेड मोहर्रिर लाइन हाजिर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस कस्टडी से बाइक गायब होने का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। अमहट चौकी क्षेत्र में एक युवक की सड़क हादसे में मौत के बाद मृतक की बाइक रहस्यमय ढंग से थाने से गायब हो गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अमहट चौकी से एक उपनिरीक्षक व सिपाही अभिषेक मिश्रा को हटाते हुए रजत पांडे को नया चौकी प्रभारी नियुक्त किया है। साथ ही नगर कोतवाली के हेड मोहर्रिर संजय सोनकर को लाइन हाजिर कर दिया गया है।जानकारी के मुताबिक,10 जून को आयान हॉस्पिटल अमहट चौराहे के पास रोडवेज बस की टक्कर से हरखी दौलतपुर,बंधुआकलां निवासी धर्मेन्द्र कुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने मौके से बस और बाइक (UP36 V 8492) को कब्जे में लेकर थाने भेजा था। लेकिन जब मृतक का भाई मनोज बाइक लेने पहुंचा तो उसे टरकाया गया। बाद में जब थाने में सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो पाया गया कि एक सिपाही बाइक को थाने के भीतर लाता दिखा और 12 जून को एक होमगार्ड बाइक को थाने से बाहर ले जाता नजर आया।पीड़ित मनोज गौतम की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने दरोगा और सिपाही को 25 जून को सस्पेंड कर दिया। कोतवाल नगर धीरज कुमार के अनुसार,पीड़ित की तहरीर पर अब बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर संजय सोनकर को लाइन हाजिर किया गया है।

राष्ट्रीय शराबबंदी महासम्मेलन में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उठाई नशा मुक्त भारत की आवाज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय मध निषेध दिवस के अवसर पर राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय शराबबंदी महासम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। शराबबंदी संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित इस सम्मेलन में 12 राज्यों और प्रदेश के सभी 75 जिलों से नशा मुक्ति के लिए सक्रिय कार्यकर्ता, समाजसेवी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

मुख्य मंच से उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि "नशा एक सामाजिक अभिशाप है, जिसे केवल मंच से नहीं बल्कि घर-घर पहुंचकर, समाज की ताकत से खत्म किया जा सकता है। शराबबंदी की आवाज अब हर गांव और मोहल्ले तक पहुंचनी चाहिए।"इस अवसर पर कार्यक्रम में ₹शराब सभी बुराइयों की जड़₹ नामक पत्रिका का विमोचन भी किया गया।राज्य मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने कहा कि नशा उन्मूलन की शुरुआत हर व्यक्ति को अपने घर से करनी होगी। उन्होंने सम्मेलन में मंत्री नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में भागीदारी जताई।पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई और कहा कि "हर नशे के खिलाफ लड़ाई समाज के हर नागरिक का कर्तव्य है।"सम्मेलन में AIMIM के प्रवक्ता असीम वकार ने कहा कि "देश के कई राज्यों ने शराबबंदी लागू की है, लेकिन उत्तर प्रदेश अब भी इससे वंचित है। यह समय है जब सरकार को जनहित में कड़ा निर्णय लेना चाहिए।"राष्ट्रीय अध्यक्ष मुर्तुजा अली ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि "आज पूरी दुनिया नशीली दवाओं और शराब के खतरे से जूझ रही है। इससे परिवार, समाज और देश की नींव हिल रही है। नशा मुक्त समाज, केवल स्वस्थ नहीं बल्कि सशक्त भी होता है।"राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने युवाओं में बढ़ते नशे की लत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समिति स्कूल-कॉलेजों में जाकर जागरूकता अभियान चला रही है। उन्होंने शराब के विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की।कार्यक्रम में देश भर से आए प्रतिनिधियों — राजस्थान से पूजा भारती छाबड़ा, उत्तराखंड से जेसी उत्प्रेती, केरल से शाहनवाज, उड़ीसा से सुबेन्दर, दिल्ली से बिलाल अहमद, बिहार से वरुण सिंह, पंजाब से कयामुद्दीन सिद्दीकी, झारखंड से मायादेवी और कश्मीर से मुश्ताक वाला सहित दर्जनों राज्यों के प्रतिनिधियों ने शराबबंदी आंदोलन को गति देने का संकल्प दोहराया।महासम्मेलन में हैनिमैन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा डॉ. आदर्श त्रिपाठी और डॉ. राधेश्याम यादव के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श व नशा छुड़ाने की दवाएं वितरित की गईं।सम्मेलन को सफल बनाने में समिति के इमरान भाई, शाहिद अली, आमिर मुख्तार, खालिद इस्लाम, अफजल, ताबिश अली, आर.बी. लाल, मनीष वर्मा, बदरुल, नजम हसन, डॉ. अम्मार नगरामी, डॉ. आदर्श त्रिपाठी सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया।समारोह के अंत में मुर्तुज़ा अली ने सभी आगंतुकों, अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा, "हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक देश पूरी तरह नशा मुक्त नहीं हो जाता।

बर्थडे पार्टी में गोली चलाने वाला आरोपी फरार

लखनऊ। बुधवार की रात बर्थडे पार्टी में डांस के दौरान चलाई थी गोली बुधवार की रात बर्थडे पार्टी में डांस के दौरान गोली चलाने वाला आरोपी को पुलिस गिराफ्तार नही कर सकी। वह याब भी फरार चल रहा है। गोसाईंगंज के बेली खुर्द गांव निवासी पीड़ति रामकली ने बताया कि पोते अयांश के बर्थडे पार्टी में डांस के दौरान नेवल खेडा निवासी मुकेश ने तमंचे से हर्ष फायरिग करने के दौरान बेटे राम सूचित के सीने में गोली मार दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही आरोपी भाग निकला। एसएचओ गोसाईंगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें छापेमारी कर रही है। आरोपी को जल्द ही गिराफ्तार किया जाएगा। मारपीट के दस मुकदमें दर्ज है आरोपी पर गोसाईंगंज इंस्पेक्टर की माने तो आरोपी मुकेश के खिलाफ मार पीट के दस मुकदमे दर्ज है। उस पर गैंगेस्टर एक्ट की कार्यवाईं भी की जा चुकी है। पुलिस की माने तो जल्द ही जिला बदर की कार्यवाईं की जाएगी।

डीएम तक पहुंचा 205 सफाई कर्मचारियों के स्थानान्तरण का मामला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गुरूवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ पदाधिकारियों और सफाईकर्मियों ने जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य के नेतृत्व में जिलाधिकारी रवीश कुमार से मिलकर मनमाने ढंग से किये गये सफाई कर्मियों के स्थानान्तरण को रोके जाने की मांग किया। डीएम को बताया कि स्थानान्तरण नीति 2025-26 के तहत बस्ती जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों का अनियमित और नियम विरुद्ध स्थानान्तरण कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी और डीपीआरओ से समस्याओं के निस्तारण की मांग किया गया था किन्तु अभी तक कोई नई सूची जारी नहीं किया गया है। मांग किया कि स्थानान्तरण शासनादेश के अनुरूप सुनिश्चित कराया जाय। जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने बताया कि जिलाधिकारी ने पत्र लेने के बाद कहा कि समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराया जायेगा।डीएम को पत्र देने के बाद संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने बताया कि जनपद के पंचायती राज विभाग में कार्यरत 205 सफाई कर्मचारियों का स्थानान्तरण एक ब्लाक से दूसरे ब्लाक में किया गया है। सूची में महिलाओं को भी एक दूसरे ब्लाक में स्थानान्तरण कर दिया गया है जिससे महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। वहीं जिस राजस्व ग्रामों में मात्र 1 सफाई कर्मचारी तैनात थे उन्हें भी बिना किसी शिकायत के दूसरे ब्लाक में स्थानान्तरित कर दिया गया है। इस प्रकार राजस्व गांव को रिक्त छोड़ दिया गया है। इस प्रकार एक ब्लाक में तैनात 16-16 वर्ष से तैनात कर्मचारियों को कहीं नहीं स्थानान्तरित किया गया है। वहीं 2-3 वर्ष से तैनात सफाई कर्मचारियों को दूसरे ब्लाक में स्थानान्तरित कर दिया गया है।

लखनऊ में ई-रिक्शा चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, आशियाना थाना पुलिस की बड़ी सफलता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरी गया ई-रिक्शा बरामद कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी इसे बेचने की फिराक में था लेकिन समय रहते पुलिस की मुस्तैदी से उसे दबोच लिया गया।मामला 24 जून का है जब बंगला बाजार निवासी मोहम्मद इरशाद का ई-रिक्शा अचानक लापता हो गया। पीड़ित द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी संख्या 222/2025 के अंतर्गत बीएनएस की धारा 303(2) में मामला पंजीकृत किया गया। इसके बाद आशियाना थाने की पुलिस टीम सक्रिय हो गई और इलाके में चेकिंग व निगरानी तेज कर दी।25 जून को शाम के वक्त जब पुलिस टीम बंगला बाजार चौराहे पर गश्त पर थी, तभी एक मुखबिर ने सूचना दी कि चोरी गया रिक्शा जेल रोड की ओर से बंगला बाजार की तरफ आ रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर कुछ ही दूरी पर संदिग्ध ई-रिक्शा को रोक लिया। चालक से पूछताछ के दौरान उसकी पहचान राजा पुत्र श्री बाबा दीन (निवासी वीर सावरकर नगर, थाना कृष्णा नगर, लखनऊ, उम्र लगभग 30 वर्ष) के रूप में हुई।पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध कबूलते हुए बताया कि उसने यह रिक्शा 24 जून को बंगला बाजार मार्केट से चोरी किया था और अब उसकी बैटरी बेचने की योजना बना रहा था। पुलिस ने रिक्शे के साथ उसका मोबाइल फोन भी बरामद किया है।रिक्शे की बरामदगी और चोरी की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने मामले में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की और आरोपी को विधिक कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर चल रहे अपराधियों के खिलाफ सघन अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में चोरी, उठाईगिरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक धनंजय सिंह, अग्रचारी यादव, आदर्श सिंह, आरजू सिंह, कांस्टेबल संजय सरोज और सन्नी कुमार मान शामिल रहे।पुलिस ने बताया कि आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाने के लिए अन्य थानों से भी संपर्क किया जा रहा है।

युवक के साथ हुआ ऑनलाइन फ्राड

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ऑनलाइन फ्राड का शिकार हो गया। जब उसे पता चला तो पीड़ति ने सुशान्त गोल्फ सिटी थाने जाकर अपने साथ उये फ्राड के सम्बंध में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। क्षेत्र के ओमेक्स एलआईजी में रहने वाले रकेश सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके साथ बीते 4 मई को OLX APP के एक विज्ञापन जिसमें AC, Refrigerator को बेचने के बहाने 13000/-रु० का आनलाइन फ्राड हुआ है। जो कि UPI द्वारा भेजा गया था। मैने अगले दिन 05 मई को 1930 पर कल करके अपनी शिकायत दर्ज करवा दी थी। लेकिन अभी तक कुछ न हुआ तो थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

लखनऊ में वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन बाइक चोरी में शामिल आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी डिलीवरी ब्वॉय की नौकरी की आड़ में बाइक चोरी करता था और पूर्व में भी चोरी और आर्म्स एक्ट के कई मामलों में जेल जा चुका है।घटना 24 जून की है, जब शेखनाघाट निवासी रितेश यादव अपनी स्प्लेंडर बाइक (UP32MX5393) को लुलु मॉल के गेट नंबर 7 के बाहर खड़ी कर मॉल के भीतर इंटरव्यू देने गया। जब वह बाहर निकला, तो बाइक गायब थी। शिकायत के आधार पर थाना सुशांत गोल्फ सिटी में अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज किया गया।मामले की जांच कर रही पुलिस टीम को 25 जून की रात मुखबिर से सूचना मिली कि इस्कॉन मंदिर के पास एक खाली प्लॉट में कुछ चोरी की गाड़ियां छिपाई गई हैं। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने वहां मौजूद एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा, जिसकी पहचान भवानी बक्शा पुरवा, थाना नगराम निवासी राजकुमार वर्मा के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने बाइक चोरी की बात कबूल की और उसके कब्जे से तीन चोरी की बाइक बरामद की गईं।बरामद बाइकों में शिकायतकर्ता की काली रंग की स्प्लेंडर (UP32MX5393), एक बजाज प्लेटिना (UP41V7076) और दूसरी प्लेटिना (UP32DS6375) शामिल है। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजकुमार वर्मा जिप्टो कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के तौर पर काम करता था और नौकरी के दौरान रेकी कर बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था।आरोपी के खिलाफ पहले से ही बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाने में वाहन चोरी और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हैं। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के बाद मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस भी जोड़ते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।इस कार्रवाई को थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे शहर में हो रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने दोहराया है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और हर ऐसी गतिविधि पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी विधायक के लेटर पैड़ का फर्जी दुरुपयोग कर पत्रकार की छवि धूमिल करने की कोशिश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। विधायक के लेटर पैड का गलत इस्तेमाल कर कुछ लोगो ने एक राष्ट्रीय चैनल के पत्रकार की छवि धूमिल करने की कोशिश की गई।

पीडित पत्रकार इरफान अब्बासी निवासी 32 उजमा हाउस अब्बासी वार्ड अमेठी ने बताया कि वह राष्ट्रिय न्यूज चैनल में कई वर्षों से कार्यरत है और पूरी ईमानदारी से पत्रकारिता करता हूँ जिससे कई लोगों के गलत कार्य नहीं हो पाते है जिसकी रंजिस मानते हुए मेरे विरुद्ध 156/3 से कई फर्जी मुकदमें दर्ज करवाए जिसकी पुलिस द्वारा जाँच की गई और सारे मुकदमे खत्म पुलिस द्वारा जाँच के उपरांत ही खत्म किये गए । जिसकी एक फर्जी लिस्ट बना कर मोहनलालगंज के विधायक अमरेश रावत के एक लैटर हेड का दुरुपयोग करते हुए मेरे विरुद्ध एक नाटकीय फर्जी शिकायत पत्र पुलिस महानिदेशक को भेजा गया। जिसकी प्रति मेरे पास है जब इस सम्बन्ध में विधायक से मेरे द्वारा सम्पर्क किया गया तो उनके द्वारा बताया गया की उनके द्वारा ऐसा कोई लैटर कभी किसी को भेजा ही नहीं गया है। लैटर हेड का किसी ने फर्जी तरीके से दुरुपयोग किया है। इस मामले में पीड़ति पत्रकार ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कराया।

राष्ट्रिय न्यूज चैनल में कई वर्षों से कार्यरत है और पूरी ईमानदारी से पत्रकारिता करता हूँ जिससे कई लोगों के गलत कार्य नहीं हो पाते है

लखनऊ में नगर निगम का बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान, चार जोनों में हटाए गए अवैध ढांचे, कबाड़ और गैस सिलेंडर जब्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने गुरुवार को शहरभर में अवैध अतिक्रमणों के खिलाफ एक साथ कई क्षेत्रों में व्यापक और समन्वित कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलवाया। यह कार्रवाई महापौर सुषमा खर्कवाल के निर्देश और नगर आयुक्त गौरव कुमार के आदेश पर प्रवर्तन दस्ते (टीम-296), ईटीएफ और पुलिस बल की मौजूदगी में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। चार अलग-अलग जोनों में यह कार्रवाई नगर निगम अधिकारियों के नेतृत्व में की गई, जिससे सड़कों पर वर्षों से बने अतिक्रमण हटाए गए और कई सामान जब्त भी किए गए।बासमंडी चौराहे से लेकर हुसैनगंज तक गुरुगोविंद सिंह मार्ग पर जोन-1 में सड़कों पर अवैध रूप से लगाए गए ठेले, गुमटियां और अन्य ढांचे हटाए गए। इस अभियान का नेतृत्व जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने किया। अभियान के दौरान लोगों को चेताया गया कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।जोन-5 के सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड में अमौसी एयरपोर्ट के सामने स्थित हनुमान मंदिर से नादरगंज मोड़ तक अवैध रूप से लगे काउंटर, ठेले और गुमटियां हटाई गईं। इस दौरान 1 लोहे की प्रेशर टंकी और 2 घरेलू गैस सिलेंडर भी जब्त किए गए, जिससे साफ संकेत मिला कि अतिक्रमण के साथ-साथ सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर भी नगर निगम अब सख्ती बरतेगा।इसी तरह जोन-6 में नक्खास चौराहे से भवानीगंज तक सड़क किनारे चल रही अस्थायी दुकानों, ठेलों और होल्डिंग्स को हटाया गया। इस दौरान 80 से अधिक बैनर-पोस्टर, 15 दुकानें, 10 होल्डिंग, 11 ठेले और कई अन्य सामान जब्त किए गए। जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में हुए इस अभियान में स्थानीय पुलिस को भी पत्र भेजा गया ताकि दोबारा अतिक्रमण न होने दिया जाए।जोन-8 में वृंदावन कॉलोनी की ग्रीन बेल्ट से लंबे समय से कबाड़ के धंधे में लगे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। दो जेसीबी और चार डंपरों की सहायता से 10 हाइवा कबाड़ हटाया गया और दर्जनों झोपड़ियां गिराई गईं। इस कार्रवाई में टैक्स सुपरिंटेंडेंट देवी शंकर दुबे और नगर निगम की पूरी टीम मौजूद रही।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि लखनऊ को साफ-सुथरा, व्यवस्थित और अतिक्रमणमुक्त बनाना नगर निगम की प्राथमिकता है और यह अभियान शहर के प्रत्येक कोने में बिना भेदभाव के आगे भी जारी रहेगा। नगर निगम की सख्त कार्रवाई को लेकर आम लोगों में संतोष और सहयोग की भावना देखी गई है।

ब्याज के पैसे वापस कर बुलेट की चाभी मांगी तो कर दी पिटाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में ब्याज का पैसा वापस करने के बाद जब पीडित ने बाइक की चाभी मांगी तो उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने मामले को संज्ञान में आने के बाद दर्ज कर ली।।

सिमरन पुत्री राजेन्द्र सिंह निवासिनी एल०डी०ए० कालोनी पराग चौराहा कानपुर रोड लखनऊ प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी 201 बी फिलिक्स स्क्वायर सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ में कार्यरत हूं। पीड़ति ने बताया कि अंकित कौशिक से ब्याज पर पैसे लिए थे, जिसकी एवज में मैंने अपनी बाइक बुलेट (हिमालयन) UP32PC5536 गिरवी रखी थी।पीड़ति ने बताया ल मय ब्याज पैसा देने के लिए आफिस बुलाया था। तो अंकित 4-5 लोगो के साथ आये थे परन्तु बाइक लेकर नही आये। पीड़ति ने बताया कि अंकित ने बोला कि न्यू हजरतगंज ओमेक्स के वाइन शाप के अपोजिट बुलाया जहां मैं अपने आफिस के साथी के साथ वहां गई जो मैंने पैसे दिए, गिनने के बाद चाभी देने से मना कर दिया तथा गाली-गलौज करने लगे मुझे धक्का दिया जिसके बाद मेरे साथी ने रोक तो उसको 4-5 लोगो ने मिलकर बहुत मारा। रोकने पर मुझे भी मारा। मारपीट के दौरान मेरे साथ वाले साथी की सोने की चैन भी खो गई है। मारपीट के बाद यह लोग अपनी गाड़ी UP32LJ8688 Creata (काली रंग) वही छोडकर भाग गये। पुलिस मामले को दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

आपातकाल की काली यादें आज भी जिंदा हैं, देश फिर उसी मोड़ पर खड़ा है : अनीस मंसूरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने कहा है कि 25-26 जून 1975 की रात को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में काला अध्याय कहा जाना कोई अतिशयोक्ति नहीं है। इमरजेंसी के दौरान जिस तरह संविधान को कुचला गया, आमजन के अधिकारों को छीन लिया गया और विपक्ष को जेलों में ठूंसा गया, वह आज भी रोंगटे खड़े कर देता है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि जिस प्रकार जयप्रकाश नारायण, चौधरी चरण सिंह, मुलायम सिंह यादव, राजनारायण जैसे नेताओं ने लोकतंत्र के लिए बलिदान दिया, उसे भुलाया नहीं जा सकता। विशेष रूप से श्री अखिलेश यादव द्वारा लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान देने का काम, और जेपीएनआईसी जैसे केंद्र की स्थापना, युवाओं को सही इतिहास से जोड़ने का महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

अनीस मंसूरी ने कहा कि आज जो माहौल बन रहा है, वह इमरजेंसी से कम नहीं है। संविधान की आत्मा को कुचलने, संस्थाओं को पंगु बनाने, अल्पसंख्यकों को डराने, और पसमांदा समाज को हाशिए पर रखने की साजिशें खुलकर सामने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार लोकतंत्र की जगह तानाशाही और 'बुलडोजर नीति' को बढ़ावा दे रही है। अनीस मंसूरी ने यह भी कहा कि पसमांदा समाज को समाजवादी आंदोलन की विरासत पर गर्व है और अब फिर से लोकतंत्र की रक्षा के लिए हम सबको एकजुट होकर खड़ा होना होगा। उन्होंने संविधान की रक्षा और जन-अधिकारों की बहाली के लिए एक सतत जन-जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

यूपी रुद्राज़ ग्रासरूट्स हॉकी क्लिनिक का लखनऊ में शुभारंभ, खेल प्रतिभाओं को तराशने की पहल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हॉकी को जमीनी स्तर पर पुनर्जीवित करने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सामने लाने के उद्देश्य से यूपी रुद्राज़ और यदु स्पोर्ट्स द्वारा बुधवार को लखनऊ के पद्मश्री मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में यूपी रुद्राज़ ग्रासरूट्स हॉकी क्लिनिक की शुरुआत की गई। यह पहल प्रदेश के शहरों, कस्बों और ग्रामीण अंचलों में छिपी हुई हॉकी प्रतिभाओं को खोजने और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के खेल निदेशक आर.पी. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने यूपी रुद्राज़ की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम इस बात का सजीव उदाहरण है कि निजी क्षेत्र की भागीदारी किस प्रकार सार्वजनिक खेलों को नई दिशा दे सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल राज्य बल्कि पूरे देश में हॉकी के भविष्य को नई ऊर्जा देंगे।क्लिनिक के उद्घाटन अवसर पर यूपी रुद्राज़ के खेल प्रमुख सुखविंदर सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल खेल का बुनियादी ढांचा विकसित करना नहीं, बल्कि प्रदेश में हॉकी को फिर से लोगों के जीवन और संस्कृति का हिस्सा बनाना है। उन्होंने कहा कि यूपी के छोटे शहरों और गांवों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस आवश्यकता है उसे सही मार्गदर्शन और मंच देने की।

कार्यक्रम में मौजूद यूपी रुद्राज़ के टेक्निकल डायरेक्टर सेड्रिक डिसूज़ा ने संगठन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रयास खिलाड़ियों और कोचों को न केवल तकनीकी प्रशिक्षण देगा, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और प्रेरणा भी देगा। उन्होंने सिंघानिया परिवार के इस सहयोग को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम भविष्य के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए मील का पत्थर बनेंगे।

यह ग्रासरूट्स हॉकी क्लिनिक दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण लखनऊ में 26 से 28 जून तक और दूसरा चरण वाराणसी में 30 जून से 2 जुलाई तक चलेगा। इन शिविरों का नेतृत्व स्वयं टेक्निकल डायरेक्टर सेड्रिक डिसूज़ा करेंगे। प्रत्येक शहर में पांच संरचित प्रशिक्षण सत्र होंगे, जो खिलाड़ियों और कोचों दोनों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन सत्रों का उद्देश्य प्रतिभा की पहचान कर उन्हें उच्च स्तर पर प्रदर्शन के लिए तैयार करना और राज्य में एक स्थायी व प्रतिस्पर्धात्मक हॉकी माहौल का निर्माण करना है।यूपी रुद्राज़ की इस पहल को राज्य में हॉकी के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक और दूरदर्शी प्रयास माना जा रहा है, जिससे न केवल खेल को नया जीवन मिलेगा, बल्कि भविष्य में भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई प्रतिभाएं भी मिलेंगी।

मानसिक शांति को प्रभावित करती सोशियल डंपिंग

दरअसल आज अपनी समस्याओं का बोझ दूसरे पर लादने का दौर चल निकला है। खासतौर से सोशियल मीडिया का अधिकतम उपयोग आज इसी काम में होने लगा है। डिजिटलीय भाषा में कहो जाएं तो यह दौर इमोशनल डंपिंग का चल निकला है। कहने को तो यह कहा जाता है कि यदि आप किसी परेशानी में हो तो मन को हल्का करने के लिए अपनी समस्या को किसी संगी साथी से साझा करलें, इससे दो लाभ है एक तो तनाव से तात्कालीक मुक्ति मिल जाती है दूसरी और हो सकता है कि सामने वाला कोई सकारात्मक हल निकाल दें। पर कहा यह भी जाता है कि अपना दुख दर्द उसी से साझा करें जो आपके प्रति गंभीर हो। आपके दुख दर्द को सुनकर सहानुभूति के स्थान पर आपको मजाक का कारण तो नहीं बना दे। इमोशनल डंपिंग इससे थोड़ी अलग स्थिति है और आज यह बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रही है। होने यह लगा है कि अपने मन मस्तिष्क का बोझ हम आसानी से दूसरे पर ड़ाल देते हैं। यह भी नहीं सोचा जाता है कि जिससे आप साझा कर रहे हैं वह इस स्थिति में है भी नहीं कि आपकी समस्या के प्रति कुछ कर सके। हो तो यह रहा है कि हम हमारे किस्से, दुख, तकलीफ या अन्य अच्छे बुरे समाचार मोबाइल, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, शार्टस या इसी तरह के किसी अन्य माध्यम से दूसरे पर थोप देते हैं और जाने-अनजाने में दूसरा व्यक्ति इमोशनल डंपिंग का शिकार हो जाता है। आज हालात तेजी से गदलते जा रहे हैं। मनोविज्ञानियों के सामने आज इमोशनल डंपिंग बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रहा है। बदलते सामाजिक परिवेश में इमोशनल डंपिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है तो लोग इमोशनल डंपिंग के आसानी से शिकार भी होते जा रहे हैं। हांलाकि हमारे यहां माना जाता रहा है कि कहने से दुख घटता है पर यह भी कहा जाता है कि अपनी दुख तकलीफ उसे सुनाओं जो सुन सके। आज का दौर लगभग उलटा होता जा रहा है हम हमारी दुख तकलीफ या हमारी बात किसी पर थोपने के लिए उसकी और विभिन्न माध्यमों से धकेल देते हैं और अब समस्या सामने वाले की हो जाती है। दूसरे की मनोस्थिति व परिस्थितियों को समझने की कोशिश ही नहीं होती। यह हालात ज्यादा अच्छे नहीं कहे जा सकते और इसके नकारात्मक परिणाम अधिक आने लगे हैं। इमोशनल डंपिंग में दरअसल जो श्रोता है वह प्रभावित होता है। मनोविज्ञानी डॉ. रैडल टर्नर का मानना है कि इमोशनल डंपिंग आज समाज को नकारात्मक दृष्टि से प्रभावित कर रही है। आज संप्रेषण या संवाद के विभिन्न माध्यमों से हम अपनी भड़ास निकाल लेते हैं और सामने वाले की मनोस्थिति को समझने का प्रयास ही नहीं करते। अगला व्यक्ति इस समय किन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उसके पास आपकी भड़ास सुनने का समय भी है या नहीं, या आपकी भड़ास का निदान कर सकता है या नहीं आपकी समस्या से जूझने की क्षमता भी है या नहीं। यह अपने आपमें एक समस्या हो जाती है। इमोशनल डंपिंग देखा जाए तो पूरी तरह से नकारात्मक और एकतरफा तरीका है और यह आज इस कदर हाबी हो गया है कि आसानी से आज व्यक्ति इससे दो चार हो रहे हैं। दरअसल सामने वाले व्यक्ति को हम आउटलेट समझ कर उसके साथ व्यवहार करते हैं। कहीं वह अपने आपको अपराधी जैसा समझने लगता है। एक तरह से सामने वाला व्यक्ति आब्जेक्ट के रुप में मानने लगते हैं। उसकी परिस्थितियों और वह आपकी बात से साझा होना भी चाहता है या नहीं उससे इमोशनल डंपिंग करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता। यह नए जमाने की नई तरह की समस्या बनती जा रही है। सोशियल मीडिया पर जब इस तरह की चीजें साझा की जाती है तो सामने वाले के साथ आपका भावनात्मक संबंध भी नहीं होता, ऐसे में सामने वाला थोड़ा संवेदनशील है तो एक तरह के तनाव से गुलरने लगता है। सोचता है ऐसा कैसे हो गया। क्या कारण रहे। या इसका समाधान तो आसानी से हो सकता है या अन्य किसी तरह से सोच सकता है। पर इस तरह का इमोशनल डंपिंग सामने वाले व्यक्ति पर नकारात्मकता के भाव पैदा करता है और वह कभी कभार तनाव के दौर से गुजरने लगता है। इसीलिए कहा जाता है कि भाई दिल पर मत लो। अब जब दिल पर मत लो की भावना होगी तो फिर आपकी भड़ास के मायने क्या रहेंगे। इमोशनल डंपिंग का सीधा सीधा मतलब यह है कि अपनी बात डंप करते समय या यों कहें कि साझा करते समय सामने वाले की मनोदशा, सहमति, असहमति, समय, विषय या अन्य से डंप करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता और आज यही हो रहा है। ऐसे में इमोशनल डंपिंग के शिकार लोगों के प्रति मनोविज्ञानी गंभीर चिंतन मनन में लगे हैं। वहीं इग्नोर करने, दूसरी बातों में ध्यान लगाने, अवसर मिलने पर सामने वाले को असहमति से अवगत कराने और उसे अनावश्यक संवाद के लिए इशारों में मना करने की हिम्मत भी जुटानी होगी क्योंकि दूसरे को मुसिबत में सहायता कोई बात साझा करने में और इक तरफा भड़ास निकालने में अंतर होता है। स्वयं तनाव के बोझ से मुक्त होने के लिए दूसरे को तनाव में ड़ालना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता।

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी।

उमेश चतुर्वेदी

इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है।

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा।

किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए। सॉफ्टवेयर क्रांति का केंद्र बेंगलुरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है।

आजादी के सतहत्तर साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ बदसलूकी होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है। बेशक राजभाषा विभाग के लिखित उद्देश्य में इसका जिक्र नहीं है। लेकिन राजभाषा विभाग को इस दिशा में भी काम करना होना। उसे सोचना होगा कि गैर हिंदीभाषी राज्यों के मन में हिंदी को लेकर जो गांठ बन रही है, उसे किस तरह दूर किया जा सकता है। राजभाषा विभाग को देखना होगा कि हिंदी के नजदीक दूसरे राज्यों के लोग कैसे आ सकते हैं।

अपनी प्रमुख पुस्तिका हिंद स्वराज में गांधीजी ने हिंदी को ही स्वाधीन भारत की भाषा माना था। उन्हें पता था कि तमिलनाडु जैसे गैर हिंदीभाषी राज्य इसका विरोध कर सकते हैं। इसलिए 1918 के इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में हिंदी के पांच सेवकों को दक्षिणी राज्य में प्रचार के लिए भेजा था, जिनमें एक उनके बेटे देवदास गांधी भी थे। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। इसके बाद केरल हिदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद जैसी कई संस्थाएं बनी और हिदी को सहज स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करने लगीं। यह बिडंबना ही कहा जाएगा कि राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद का मुख्यालय महाराष्ट्र के वर्धा में है और महाराष्ट्र में ही हिंदी को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है।

राजभाषा विभाग के कई उद्देश्य हैं, जिनमें राज्य विशेष के उच्च न्यायालय की कार्यवाही में अंग्रेजी भाषा से भिन्न किसी अन्य भाषा का सीमित प्रयोग शुरू कराने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी पाना, केंद्रीय कर्मचारियों के लिए हिंदी शिक्षण योजना चलाना, जरूरी पत्र-पत्रिकाओं और संबंधित साहित्य का प्रकाशन आदि है। राजभाषा विभाग ने इन मोर्चों पर काम किया भी है। लेकिन राजभाषा विभाग को इससे इतर भी भूमिका तलाशनी होगी। केंद्रीय कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ ही आम लोगों की हिंदी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा को तोड़ने की दिशा में भी राजभाषा विभाग से प्रयास की उम्मीद की जाती है। चूंकि हिंदीप्रेमी अमित शाह गृहमंत्री हैं, लिहाजा राजभाषा विभाग को अपनी इस भूमिका के लिए शासन से जरूरी सहयोग मिल सकता है। अपनी पचासवीं सालगिरह पर राजभाषा विभाग को इस दिशा में सोचना होगा।

अजब-गजब

दादी अम्मा ने ट्रैक्टर पर दिखाए ऐसे जलवे कि उड़ गए सबके होश! वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक दादी अम्मा के वीडियो ने ऐसा धमाल मचाया हुआ है कि देखकर आपकी आंखें भी फटी की फटी रह जाएंगी. दरअसल, 80 साल की इस रॉकस्टार दादी ने फुल कॉन्फिडेंस और देसी स्वैग के साथ ट्रैक्टर दौड़ाकर इंटरनेट पर आग लगा दी है। नेटिजन्स दादी अम्मा के जोशीले अंदाज के कायल हो गए हैं।

वायरल हो रहे वीडियो में आप देखेंगे कि सुपरकूल दादी सिर्फ ट्रैक्टर को स्टार्ट नहीं करती, बल्कि उसे फुल स्वैग में दौड़ाते हुए रील भी बनवाती हैं। वहीं, चेहरे पर जो कॉन्फिडेंस और मुस्कान है, उसने नेटिजन्स का दिल जीत लिया है. यह देखकर हर कोई यही कह रहा है- काश इतनी हिम्मत हममे में भी होती।

वैसे, दादी अम्मा जिस अंदाज में स्टीयरिंग संभाल रही हैं, और बिंदास होकर गियर बदल रही हैं, वो बड़ा जोरदार है और देखने लायक है। बुजुर्ग महिला का यह धांसू वीडियो 21 जून को @askshivanisahu नामक एक्स हैंडल से शेयर किया गया है, जिसे अब तक 80 हजार से अधिक बार देखा जा चुका है। वहीं, कमेंट्स, की तो जैसे बाढ़ ही आ गई है। ये भी देखें: 52 साल से शख्स की आंत में फंसी थी ये खतरनाक चीज, फिर भी रहा जिंदा, डॉक्टर भी रह गए हैरान

एक यूजर ने लिखा, बस दादी अम्मा जितना ही हौसला चाहिए। दूसरे यूजर ने कहा, दादी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र तो महज एक नंबर है। एक अन्य यूजर ने पुष्पा स्टाइल में कमेंट किया, दादी समझकर फ्लावर समझे क्या, फायर है मैं।

ब्लॉग

चार राज्यों के 5 विधानसभा सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव के मिले परिणामों के सियासी मायने

कमलेश पांडे

बिहार विधान सभा चुनावों से ठीक पहले देश के चार प्रमुख राज्यों- पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल व केरल के 5 सीटों पर हुए उपचुनाव के आए परिणामों में जहां आप व टीएमसी को खुशी मिली है, वहीं कांग्रेस-भाजपा को सुकून के साथ साथ रणनीतिक झटका भी लगा है, लेकिन माकपा को करारी मात मिली है। उपचुनाव परिणाम इस बात की चुगली करते हैं कि जहां आप को उम्मीदों के विपरीत पंजाब और गुजरात में एक-एक सीट पर जबर्दस्त पुनः वापसी जीत मिली है, वहीं केरल में कांग्रेस को एक सीट नई मिलने से वहां उसकी स्थिति मजबूत हुई है।

इधर, पश्चिम बंगाल में टीएमसी को भी एक जीती हुई सीट पुनः मिलने से जहां उसका सियासी दबदबा बरकरार है, वहीं गुजरात में बीजेपी को महज एक सीट पर जीत मिली, जो उसकी जीती हुई सीट है। लेकिन केंद्र व राज्य में भाजपा की सत्ता होने के बावजूद वह यहां की दूसरी सीट आप से झटक नहीं सकी, जिससे उसका कब्जा बरकरार रहा है। इससे साफ है कि गुजरात में कांग्रेस की जगह आप भी भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बन सकती है। देखा जाए तो केरल के नीलांबुर सीट को छोड़कर अन्य तीन राज्यों में कोई भी पार्टी एक-दूसरे से सीट नहीं छीन सकी है। कहने का तातपर्य यह कि जिसका पहले विधायक था, उसी के प्रत्याशी जीते हैं। गौरतलब है कि इन सभी राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे। पंजाब के लुधियाना वेस्ट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने तमाम समीकरणों को दरकिनार करते हुए 10,637 वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं, केरल में कांग्रेस ने लेफ्ट से नीलांबुर सीट छीन ली, जो उसके बढ़ते वर्चस्व का तकाजा है।

वहीं, पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट से तृणमूल कांग्रेस की अलिफा अहमद ने कब्जा किया है। वहीं, बीजेपी के खाते में गुजरात की कडी सीट आई। जहां से पार्टी के उम्मीदवार राजेंद्र कुमार चावड़ा उर्फ राजूभाई जीत गए। हालांकि, सूबाई सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा राज्य की दूसरी सीट विसावदर को नहीं हथिया पाई। क्योंकि यहां पर आप के गोपाल इटालिया ने कब्जा किया। इसप्रकार इस उपचुनाव में जहां आप का स्कोर दो रहा, वहीं बीजेपी, कांग्रेस और टीएमसी का स्कोर एक-एक रहा। यह आप के लिए सुकून की बात है, जिसका सियासी ग्राफ दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद तेजी से गिरता जा रहा है।

वहीं, केरल में कांग्रेस की उम्मीद बढ़ने से सीपीएम को झटका लगा है। यह ठीक है कि कांग्रेस पंजाब और गुजरात के एक-एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही, जबकि बीजेपी पश्चिम बंगाल और गुजरात की विसावदर में दूसरे स्थान पर रही। वहीं, केरल में नीलांबुर सीट गंवाने वाली सीपीएम भी दूसरे स्थान पर यानी रनर अप रही। लिहाजा इस उपचुनाव के नतीजों ने जहां कांग्रेस को गुजरात में झटका दिया, वहीं केरल और पंजाब में कुछ उम्मीद लेकर आई है। बता दें कि केरल के नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने सीपीएम के एम स्वराज को लगभग 10,000 वोटों से हराया। यह क्षेत्र उसी वायनाड लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है, जहां से प्रियंका गांधी सांसद हैं। लिहाजा उनके लिए भी यह सुकून की बात है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने इस उपचुनाव को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नौ साल के शासन के खिलाफ जनादेश के रूप में पेश किया था। चूंकि साल 2026 में केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए यह रिजल्ट सीएम पिनाराई विजयन के लिए खतरे की घंटी की तरह है।

आपको पता होगा कि अगले साल पश्चिम बंगाल, गुजरात, केरल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होंगे। लिहाजा इससे पहले हुए इस उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने राहत की सांस ली है। क्योंकि आप ने पंजाब और गुजरात में पिछले चुनाव में जीती गई दोनों सीटों पर कब्जा बरकरार रखने में कामयाबी पाई है। जबकि उपचुनाव से पहले लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट को विपक्ष ने आप के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। लेकिन कड़े मुकाबले में आप के संजीव अरोड़ा कांग्रेस के भारतभूषण आशु को हराया। हालांकि आप की इस जीत में बीजेपी का योगदान रहा, जिसके उम्मीदवार जीवन गुप्ता को 20323 वोट मिले। वहीं, इस जीत के बाद अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में जाने का रास्ता साफ हो गया है, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद से गायब थे। हालांकि उन्होंने घोषणा की है कि वो राज्यसभा नहीं जाएंगे। इसलिए समझा जा रहा है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को वह राज्यसभा भेज सकते हैं। जैसा कि केजरीवाल ने कहा है कि इस बात का अंतिम फैसला पीएसी ही करेगी। वहीं, पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट तृणमूल कांग्रेस के खाते में गई है, जहां पर बीजेपी के आशीष घोष टीएमसी कैंडिडेट अलीफा अहमद से करीब 50 हजार वोटों से हार गए। इस सीट पर कांग्रेस ने मुस्लिम कैंडिडेट कबीलुद्दीन शेख को उतारा था, लेकिन उन्हें 28251 वोट मिले और वह तीसरे पायदान पर रहे। इससे साफ है कि इस चुनाव में भी मुस्लिम वोटरों ने टीएमसी को लिए वोट किया। लिहाजा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इस रिजल्ट को वोटिंग पैटर्न का ट्रेलर माना जा रहा है। जानकार बताते हैं कि यदि यह पैटर्न दोहराया गया तो मुस्लिम वोट टीएमसी के खाते में रहेगी और चुनाव में उसका मुख्य मुकाबला बीजेपी से होगा। इसप्रकार से बंगाल में कमजोर हो रही कांग्रेस के लिए यह परिणाम खतरे की घंटी है।

वहीं, गुजरात में बीजेपी ने एक सीट जीती, जबकि दूसरे पर दूसरे स्थान पर यानी रनर अप रही। यहां आप विधायक गोपाल इटालिया की जीत से बीजेपी की टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि वह राज्य में पार्टी के प्रभारी हैं। यह जीत आम आदमी पार्टी के कैडर का हौसला भी बुलंद कर सकती है। इससे साफ है कि गुजरात में नुकसान कांग्रेस को हुआ है, जहां राहुल गांधी नए सिरे से पार्टी को संवारने में जुटे हैं। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सिर्फ कडी विधानसभा सीट पर मुकाबले में आए, लेकिन 39452 वोटों के भारी अंतर से हार गए। समझा जाता है कि गुटबाजी और नेतृत्व की कमी से जूझ रही कांग्रेस 2026 के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी को राहत दे सकती है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में विसावदर की सीट आप विधायक भूपत भयानी के इस्तीफे से खाली हुई थी, उस पर गोपाल इटालिया ने जीत हासिल की। इस जीत से आप ने साबित कर दिया कि वह गुजरात में कांग्रेस से ज्यादा बेहतर विपक्ष है।

गुजरात की विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने बीजेपी के उम्मीदवार किरीट पटेल को बड़े अंतर से हराया। चूंकि 2022 के चुनावों में आप ने यह सीट जीती थी। ऐसे में आप के सामने इस सीट को जहां बचाने की चुनौती थी, तो वहीं दिल्ली हार जाने के बाद प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई थी। इससे साफ हो गया कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी ने अच्छा कमबैक किया है। खास बात यह है कि आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने कुछ राउंड को छोड़कर पूरे 21 राउंड की मतगणना में ज्यादातर समय बढ़त बनाए रखी। इटालिया ने बीजेपी के कैंडिडेट किरीट पटेल को 17,581 वोटों से शिकस्त दी। स्पष्ट है कि बीजेपी के गढ़ गुजरात में आप की जीत इसलिए बड़ी है क्योंकि आम आदमी पार्टी में दिल्ली की हार के बाद जबरदस्त निराशा थी।वैसे भी उपचुनावों में सत्तारूढ़ दल का पलड़ा भारी माना जाता है, लेकिन आप ने पुख्ता व्यूहरचना से विसावदर में बीजेपी को कमल खिलाने से रोक दिया। जबकि बीजेपी इस सीट पर 2007 से इस सीट पर पुनः जीत के लिए तरस रही है। इस बार के चुनाव में कुल 16 कैंडिडेट मैदान में थे। जिसमें गोपाल इटालिया आप 75,906 वोट पाकर जीत गए, जबकि किरीट पटेल बीजेपी 58325 वोट पाकर दूसरे स्थान पर और नितिन रणपारिया कांग्रेस 5491 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

राजनीतिक टिप्पणीकार बताते हैं कि आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पंजाब वाल दांव खेला था। चूंकि दिल्ली चुनावों में हार के बाद आप ने विसावदर सीट पर चुनाव आयोग की घोषणा से पहले ही कैंडिडेट का ऐलान कर दिया था। जबकि बीजेपी में यहां कैंडिडेट को लेकर आखिर तक जद्दोजहद जारी रही। इससे आप कैंडिडेट को प्रचार का पूरा मौका मिला और परिणाम भी उनके पक्ष में आया।

वहीं, गुजरात की इस सीट को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी ने अपने बड़े चेहरे को मैदान में उतारा। पार्टी के प्रदेश प्रभारी गोपाल इटालिया इस क्षेत्र के निवासी नहीं होने के बाद भी पूरी विधानसभा में दो से तीन भ्रमण करके लोगों के बीच अपनी गहरी पैठ बना ली। ऐसे में उन्होंने लोगों को खुद से जोड़ लिया। जबकि बीजेपी सत्ता में होने के बाद भी अंत तक चुनाव प्रचार में पिछड़ी रही। यही वजह है कि गोपाल इटालिया के सामने किरीट पटेल हल्के साबित हुए।

आप के रणनीतिकारों ने बताया कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों में लोगों ने आप पर भरोसा किया था, लेकिन भूपत भायाणी के बीजेपी में जाने से आप के दावे को झटका लगा था। इसलिए गोपाल इटालिया के नामांकन में पहुंचे अरविंद केजरीवाल को इसका एहसास था, लिहाजा उन्होंने सार्वजनिक तौर पर ऐलान कर दिया कि अगर बीजेपी गोपाल इटालिया को खरीद लेगी तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

चुनाव विश्लेषक के मुताबिक, विसावदर में जब पिछली बार आप जीती थी तो गोपाल इटालिया प्रदेश प्रमुख थे। वह उस चुनाव में सूरत की कतारगाम से लड़े थे, लेकिन इस बार गोपाल इटालिया ने बतौर कैंडिडेट विसावदर पर फोकस किया। बतौर कैंडिडेट जबरदस्त होमवर्क किया और वे तमाम मुद्दे उठाए, जिन पर बीजेपी को घेरा जा सकता था। सियासी लोग बताते हैं कि पत्रकारिता से राजनीति में आए इसुदान गढ़वी इस चुनाव में पूरी तरह से प्रदेश प्रमुख की भूमिका में रहे। सौराष्ट्र से आने वाले इसुदान गढ़वी ने विसावदर में गोपाल इटालिया को उतारने से पहले वहां सर्वे कराया और पार्टी कार्यकर्ताओं का रुख जाना। इसके बाद उन्होंने उनकी इच्छा के अनुसार फैसला लिया। गढ़वी यह कम्युनिकेट करने में सफल रहे कि लड़ाई आप और बीजेपी की है। यही वजह है कि कांग्रेस कैंडिडेट की जमानत जब्त हो गई।

जाति छिपाने और महिला से अभद्रता के बाद कथावाचक पर अब नई मुसीबत... इस केस में शुरू हुई जांच, एफआईआर दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा के बकेवर थाना क्षेत्र के दादरपुर में कथा सुनाने गए यादव कथावाचकों के जाति छुपाने और उनके साथ मारपीट के मामले में विवाद बढ़ता जा रहा है। अब दोनों कथावाचकों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। कथावाचक मुकुट मणि यादव की मुश्किलें अब बढ़ती जा रही हैं। उन पर फर्जी आधार कार्ड बनवाने और जाति छिपाने को लेकर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है।

ये मामला 21 जून से शुरू हुआ, जब मुकुट मणि यादव अपने सहयोगी संत सिंह यादव के साथ इटावा के दादरपुर में कथा सुनाने गए। यहां उनके साथ मारपीट की गई।उन पर आरोप था कि उन्होंने जाति छिपाई। इसके साथ ही महिला के साथ अभद्रता करने का आरोप भी लगा था, जिसके बाद दादरपुर में दोनों का सिर मुंडवाकर उन्हें गांव से बाहर कर दिया गया था।

धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

इसके बाद इस मामले में कथावाचकों ने केस दर्ज कराया था। चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया और बाकी लोगों की भी तलाश की जा रही थी। लेकिन अब बकेवर थाने में दोनों के खिलाफ फर्जी आधार कार्ड बनाने और जाति छुपा कर कथा करने के मामले में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकुट मणि यादव के पास दो आधार कार्ड मिले और दोनों में उनका अलग-अलग नाम था।

दोनों आधार कार्ड पर नाम अलग

मुकुट मणि यादव के एक आधार कार्ड में उनका मुक्त सिंह और दूसरे में मुकुट मणि अग्निहोत्री था। हालांकि दोनों आधार कार्ड का नंबर एक ही था। अब पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पता लगाने की कोशिश कर रही है कि दोनों आधार कार्ड कहां से बनवाए गए। इसके अलावा कथा आयोजक की पत्नी ने भी कथावाचक के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए तहरीर दी थी।

आयोजक के पत्नी ने भी दी तहरीर

कथा आयोजक की पत्नी रेणु तिवारी ने कथावाचक पर छेड़खानी का आरोप लगाया और बताया कि हम उनका सम्मान कर रहे थे। लेकिन उनकी हरकतें ठीक नहीं थी। जब मैंने अपने पति को बताया तो उन्होंने कथा में बाधा न हो इसलिए चुप रहने के लिए कहा था। लेकिन कथावाचक की हरकतें बढ़ती जा रही थीं। फिर उनसे माफी मंगवाई गई। मामले को बढ़ता देख दादरपुर गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पहले कथावाचक पर जाति छिपाने को लेकर मारपीट की बात सामने आई थी और फिर महिलाओं के साथ अभद्रता करने की बात सामने आई और अब केस दर्ज किया गया है।

जिलाधिकारी ने विंध्याचल में पुरानी वीआईपी, स्टेशन रोड, पटेंगरा नाला का भ्रमण कर किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बुधवार को मां विंध्यवासिनी देवी के धाम विंध्याचल पहुंचकर नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर शक्ति प्रताप सिंह के साथ पुरानी वी0आई0पी0, स्टेशन रोड, पटेंगरा नाला, प्रस्तावित पटेंगरा नाला हेलीपैड का भ्रमण कर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि चौड़ीकरण का कार्य शीघ्र पूर्ण करें तथा नाली का निर्माण कराए। उन्होंने कहा कि जिन्होंने अभी तक रजिस्ट्री नहीं कराई है उनसे रजिस्ट्री कराने के उपरांत तत्काल ध्वस्तीकरण का कार्य पूर्ण कराए तथा यह सभी कार्य शारदीय नवरात्रि से पूर्ण संपन्न करा लिए जाएं। जिलाधिकारी ने नगर पालिका को निर्देशित करते हुए कहा कि नाले के पास लगाई गई दुकानों को हटवाया जाए। उन्होंने कहा कि दुकानदार अपनी दुकान को अपनी दुकान के अंदर ही लगाए।

कर्ज में डूबे परिवार को मौत लगी आसान, सभी लोगों ने एक साथ खाया जहर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बिजनौर। कर्ज के दबाव में एक परिवार ने सामूहिक रूप से मौत को गले लगाने के लिए तैयारी की और फिर एक साथ सभी ने जहर पी लिया। पैसों की देनदारी के दबाव में उठाए गए इस कदम के बाद दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच की लड़ाई लड़ रहे हैं। घटना उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की है।

जिले के नूरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दुखद घटना हुई। यहां एक परिवार के चार लोगों ने एक साथ जहर खा लिया। उन चार लोगों में मां-बाप और उनकी दो बेटियां शामिल हैं। बताया जा रहा है कि वे कर्ज से परेशान थे, जिसकी वजह से उन्होंने ये कदम उठाया। मां और एक बेटी की मौके पर मौत हो गई जबकि पिता और दूसरी बेटी की हालात गंभीर है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल यह मामला बिजनौर के टेंडरा गांव का है, जहां साहूकारों से कर्ज लेकर जूझ रहे पुखराज के पूरे परिवार ने एक साथ जहर खाकर जान देने का प्रयास किया। इनमें मां रमेशिया और बड़ी बेटी अनीता की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पिता पुखराज और छोटी बेटी सुनीता अस्पताल में भर्ती है। इन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ रेफर कर दिया गया है। दोनों की हालात नाजुक बताई जा रही है।

मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा कि परिवार लंबे समय से साहूकारों के कर्ज को नहीं चुका पाने की वजह से मानसिक तनाव में था। आर्थिक तंगी ने परिवार को इतना तोड़ दिया कि सामूहिक रूप से जहर खाने जैसा कदम उठाना पड़ा। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। लोग इस बात को लेकर स्तब्ध हैं कि कोई ऐसा कैसे कर सकता है?

सांप के डंसने से ग्रामीण की बिगड़ी हालत, सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर

पूरनपुर, पीलीभीत। बरसात में सांपों के बिल में पानी भर जाता है,जिससे बचने के लिए सांप बिल के बाहर आ जाते हैं।इस बीच कई बार यह घनी बस्तियों और खेतो मे पहुंच जाते हैं।जहां सापों का सामना इंसानों से होता है।इंसान इन्हें देखते ही मारने की कोशिश करते हैं।वहीं सांप भी खुद को बचाने के लिए इंसानों को डंस लेता है।तहसील क्षेत्र के गांव शेरपुर कला इस्लाम नगर निवासी फिरासत पुत्र रियासत गुरुवार को मवेशियों के लिए घास काटने गए थे। बताया जा रहा है की घास काटने के दौरान उनको सांप ने डंस लिया।जिससे बो घबरा गये और घास छोड़कर घर पहुंचकर घटना की जानकारी उन्होंने परिजनों को दी यह सुनकर परिजनों के भी होश उड़ गए और हालात बिगड़ने पर परिजनों ने उपचार के लिए पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।जहां डॉक्टर ने उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

10वीं की छात्रा से अकेले में बोला टीचर– मुझे बॉयफ्रेंड बना ले... फिर की ऐसी हरकत, मच गया हंगामा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। टीचर और स्टूडेंट का रिश्ता बहुत पवित्र होता है। लेकिन कुछ लोग इसे भी शर्मसार करके रख देते हैं। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के आगरा से सामने आया है। यहां एक स्कूल में 10वीं में पढ़ने वाली छात्रा को उसके कोचिंग टीचर ने कहा- मुझे अपना बॉयफ्रेंड बना ले। फिर उससे अश्लील बातें करने लगा। मौका पाते ही उससे बैड टच भी किया। छात्रा ने डर के कारण कुछ नहीं कहा तो टीचर की हिम्मत और बढ़ गई। फिर उसे रोज परेशान करने लगा। बाद में तंग आकर छात्रा ने अपने परिजनों को टीचर की ये करतूत बताई, जिसके बाद खूब हंगामा मचा। मामला आगरा के नगला बूढ़ी चौराहा (न्यू आगरा) स्थित एक कोचिंग सेंटर का है। यहां के कोचिंग टीचर पुनीत पर दसवीं कक्षा की एक छात्रा को अपना बॉयफ्रेंड बनाने के लिए लगातार

दबाव डालने का आरोप लगा है। छात्रा के मुताबिक, शिक्षक उससे अश्लील बातें करता था और छेड़छाड़ भी करता था। पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

एक्स्ट्रा क्लास के बहाने करता था परेशान

छात्रा न्यू आगरा थाना क्षेत्र की है। वह 10 वीं की छात्रा है। पिछले 10 महीने से पुनीत के कोचिंग सेंटर में पढ़ने जा रही थी। उसके पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी कुछ समय से कोचिंग जाने से कतराने लगी थी। पूछने पर बेटी ने बताया कि पुनीत सर उसे एक्स्ट्रा क्लासेस के बहाने अलग से बुलाते हैं। उसके पास बैठकर बैड टच करते हैं। उसने यह भी बताया कि टीचर ने उससे पूछा कि क्या उसका कोई बॉयफ्रेंड है? और जब उसने इनकार किया तो पुनीत ने उसे खुद को बॉयफ्रेंड बनाने के लिए कहा।

परिजनों ने दर्ज कराई शिकायत, पुलिस जांच में जुटी

बेटी की बात सुनकर परिजन सन्न रह गए। तुरंत न्यू आगरा थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत दी। इसके आधार पर पुलिस ने शिक्षक पुनीत के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

अन्य छात्राओं को भी परेशान करने का आरोप

आरोपी शिक्षक पुनीत की उम्र करीब 35 साल है। बताया जा रहा है कि शिक्षक पहले भी अन्य छात्राओं के साथ ऐसी ही हरकतें कर चुका है। लेकिन, उन छात्राओं ने लोकलाज की डर से शिकायत नहीं की।

'150 मर्दों से मेरे संबंध, कैसे पाऊं छुटकारा...'

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा-वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उनके दर्शन करने के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं। देश की आम जनता से लेकर बड़ी-बड़ी हस्तियां भी महाराज के प्रवचन सुनने के लिए पहुंचती हैं। यहां वो प्रेमानंद महाराज से अपनी समस्याओं का निवारण पाते हैं। ऐसा ही एक भक्त महाराज के पास अपना दुख लेकर पहुंचा। उसकी परेशानी जानकर वहां मौजूद हर शख्स हैरान रह गया। लेकिन जब प्रेमानंद महाराज ने बड़े ही सरल और सहज तरीके से उसकी समस्या का निवारण किया।

इस शख्स ने प्रेमानंद महाराज से कहा- महाराज मैं समलैंगिक हूं। अब तक 150 से ज्यादा मर्दों के साथ मैंने संबंध बनाए हैं। लेकिन मैं यह सब करके खुश नहीं हूं। मैं इन चीजों से बाहर निकलना चाहता हूं। आप ही मुझे रास्ता दिखा सकते हैं कि मैं कैसे इन सब से बाहर निकलूं।

इस पर प्रेमानंद महाराज ने मुसकुराते हुए कहा- ये आपकी उपज नहीं है। आपको ये चीज पसंद नहीं है। ये बस आपके दिमाग में जमा बैठा है। अगर आप इससे लड़कर नहीं जीतते हैं तो ये आपकी छवि को भी खराब कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि आपको आत्मविश्वास बरकार रखना होगा। हमें ये शरीर संसार से जीतने के लिए मिला है न कि संसार से मिट जाने के लिए। महाराज का जवाब सुनकर भक्त काफी खुश हुआ। उसने कहा- महाराज में इस बात का हमेशा ध्यान रखूंगा।

ये दिए जीवन के पांच मंत्र

एक अन्य भक्त को प्रेमानंद महाराज ने बताया कि जीवन में कैसे बदलाव आ सकता है। कैसे सिर्फ 5 मंत्र से जीवन में चमत्कार आ जाएगा। कभी भी अमंगल नहीं होगा। प्रेमानंद महाराज ने कहा कि हमारी पांच बातें हमेशा के लिए याद कर लो। इससे आप सदैव सुखी रहोगे। सबसे पहले सुबह ठाकुर जी के चरण छुओ। उनके पैर का जल पिओ। कभी अकाल मृत्यु नहीं होगी। समस्त रोगों को नष्ट करने का चरणामृत में सामर्थ है। दूसरा नियम जब भी घर से निकलो कम से कम 11 बार कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने का मंत्र जाप करो। अंगुली पर गिनो कि 11 बार किया या नहीं। कभी आपके साथ बुरा नहीं होगा। कभी आपके साथ दुर्घटना नहीं होगी। आप अगर दुर्घटना में फंस भी जाएंगे तो आप सुरक्षित बाहर निकल आएंगे।

20-30 मिनट संकीर्तन करो

उन्होंने आगे कहा कि तीसरी बात पूरे दिन में कभी भी 20-30 मिनट अपने घर में संकीर्तन करो। जितना आनंद में डूबकर आप भजन कीर्तन करेंगे। उतना ही आपको अच्छा महसूस होगा। वहीं चौथी बात 11 दंडवत रोज नियम ले लो। उन्होंने कहा कि जिसके घर पर ठाकुर जी विराजमान हैं, जो शख्स कृष्ण को प्रणाम करता है। उसका पुनर्जन्म नहीं होता है। ये हमारी बातें हमेशा के लिए याद कर लो।

माथे पर लगाओ वृंदावन की रज

पांचवीं बात वृंदावन की रज ले जाओ अपने साथ। रोजाना जरा सी रज माथे पर और अपने बालों के बीच में लगा देना। फिर आप अपने जीवन को देख लेना कितना मंगल में होता है। कितने ही आपको पॉजिटिव विचार आते हैं। कितना आप दुख-संकट से निवृत्त हो जाओगे।

बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता जरूरी : सीएमओ

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से चलाये जा रहे 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की समीक्षा बैठक बुधवार की देर शाम मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम बदन राम ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जनपद में 31 जुलाई तक चलने वाले डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) में भी डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम से मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों में डायरिया की शीघ्र पहचान हो जाए और समय से ओआरएस का घोल और उम्र के मुताबिक़ निर्धारित मात्रा में जिंक का टेबलेट दिया जाए तो डायरिया से बच्चों को सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष तक के बच्चों की होने वाली कुल मृत्यु का एक प्रमुख कारण डायरिया भी है। इस अभियान का लक्ष्य दस्त के कारण होने वाली बच्चों की मृत्यु की दर को शून्य पर लाना है। डायरिया के प्रति जनजागरूकता के लिए ही जनपद के 63 प्रमुख स्थानों पर दीवार लेखन कराया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों पर ओआरएस कार्नर बनाये जा रहे हैं ताकि लोगों को इसकी महत्ता आसानी से समझ में आ सके। आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम और महिला आरोग्य समिति की सदस्यों का अभिमुखीकरण भी किया जा रहा है ताकि वह घर-घर जाकर लोगों में डायरिया के प्रति जागरूकता की अलख जगा सकें और उन्हें समय से ओआरएस और जिंक का टेबलेट मुहैया करा सके। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हंसराज सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मो. आलम, अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर प्रबल प्रताप सिंह और पीएसआई इंडिया प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर बनेगा 'ग्रेटर कानपुर', खर्च होंगे 37 हजार करोड़, बदल जाएगी कानपुर की सूरत

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश में नोएडा की तरह एक और हाईटेक शहर बसने जा रहा है। इसका विकास ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर किया जाएगा और इसे ग्रेटर कानपुर के नाम से जाना जाएगा। शहर को बसाने की परियोजना को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी मिल गई है। सीएम से मंजूरी मिलने के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) इस नए शहर में 37 हजार करोड़ रुपये की परियोजना को धरातल पर उतारने की तैयारी में जुट गया है। इस योजना के तहत चार इंडस्ट्रियल इलाकों का विकास किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी केडीए को सौंपी गई है।

केडीए की टीम ने भीमसेन इलाके में मौजूद जमीन का जायजा लिया। टीम ने नक्शों के आधार पर जमीन की उपलब्धता और

आवश्यकता का आकलन किया। साथ ही आसपास के गांवों का निरीक्षण कर भूमि अधिग्रहण की लागत का खाका तैयार किया। पूरे काम को अंजाम देने वाली टीम में केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गबरायल, सचिव अभय पांडेय, मुख्य नगर नियोजक मनोज कुमार और अधिशासी अभियंता अमनदीप तिवारी शामिल थे।

ग्रेटर कानपुर की तर्ज पर होगा विकास

केडीए का लक्ष्य चारों इंडस्ट्रियल एरिया को एक ही स्थान पर विकसित करना है। इसके लिए मंधना से भौंती के बीच रिंग रोड के आसपास की जमीन को चिह्नित किया जा रहा है। प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर 'ग्रेटर कानपुर' बसाने की योजना पर काम कर रहा है। इस क्षेत्र में चार प्रमुख परियोजनाएं प्रस्तावित है, जिनके नाम हैं...

रिंग रोड का निर्माण

ग्रेटर कानपुर को जोड़ने के लिए मंधना से भौंती तक 8।9 किलोमीटर लंबे और 75 मीटर चौड़े रिंग रोड का निर्माण किया जाएगा। इसकी लागत 400 करोड़ रुपये तक होगी। उपाध्यक्ष मदन सिंह गबरायल ने बताया कि जमीन चिह्नीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। जल्द ही प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा, जिसके बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

आत्मनिर्भर कानपुर की ओर कदम

यह परियोजना कानपुर को औद्योगिक और आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। केडीए का यह प्रयास न केवल शहर के विकास को गति देगा, बल्कि रोजगार सृजन और आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा देगा।

नशे की हालत में मिला आठ साल का बालक,अस्पताल में कराया भर्ती

पूरनपुर, पीलीभीत। पूरनपुर में नई नीतियों के साथ खोली गई शराब की दुकानों को लेकर कई जगह महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया था और मामले में उच्च अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से भी शिकायत की थी। लेकिन किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। अब इसके परिणाम सामने आने लगे हैं। माधोटांडा रेलवे क्रासिंग के पास एक आठ वर्षीय बालक को नशे की हालत में देखा गया। राहगीरों ने मामले की सूचना 108 एबुलेंस को दी और बालक को अस्पताल भिजवाया गया। अस्पताल में बालक का उपचार किया गया। इस घटना ने एक बार फिर से शराब की दुकानों के विरोध को हवा दे दी है। लोगों का कहना है कि शराब की दुकानें खोलने से क्षेत्र में अपराध और नशे की समस्या बढ़ रही है।प्रशासन को इस मामले में ध्यान देना चाहिए और आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

'दुल्हन मुझे पसंद नहीं, फिर भी वो मेरे साथ...', 23 साल के दूल्हे ने Facebook पर लिखा पोस्ट, फिर कर डाला ये कांड

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। शादी हमारी जिंदगी का सबसे अहम फैसला होता है। हर कोई चाहता है कि जिससे भी उसकी शादी हो वो उसके लिए परफेक्ट हो। कभी कबार शादी के बाद भी रिश्ते टूट जाते हैं। इसलिए लोग अपने पार्टनर को चुनने से पहले कई जांच पड़ताल करते हैं। ताकि शादी के बाद उनकी जिंदगी सकून से कटे। लेकिन उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक दूल्हे ने शादी से पहले ही सुसाइड कर लिया।

दरअसल, उसे दुल्हन पसंद नहीं थी। आरोप है कि लड़की वाले फिर भी दूल्हे पर शादी का दबाव बना रहे थे। इसी से तंग आकर दूल्हे ने फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक ने मरने से पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। इसमें लिखा- हमें उनकी लड़की पसंद नहीं है फिर भी ये लोग शादी करने का दबाव बना रहे हैं। इससे परेशान होकर मैं सुसाइड कर रहा है। मेरी मौत के जिम्मेदार समान कटरा से आए 8-10 लोग हैं, जो

टॉर्चर कर रहे हैं और पैसे की धमकी दे रहे हैं। कह रहे हैं कि शादी तो हम करके ही जाएंगे। इन लोगों की वजह से वह जान दे रहा हूं।

मामला आगरा के दन्नाहार थाना क्षेत्र के महटौली गांव का है। यहां विक्रम राठौर की शादी की बात कटरा समान निवासी लड़की से चल रही थी। विक्रम ने लड़की की कम हाइट की वजह से शादी से मना कर दिया था, लेकिन लड़की पक्ष लगातार उस पर शादी के लिए दबाव बना रहा था।

शादी का दबाव बना रहे थे लड़की वाले

बुधवार को भी कटरा समान के लोग पड़ोसी गांव डांडेहार के कुछ लोगों के साथ विक्रम के घर महटौली आ गए, सभी उस पर जबरन शादी का दबाव डालने लगे। इस परेशान होकर विक्रम खेत पर चला गया। वहां उसने अपने मोबाइल पर एक सुसाइड नोट लिखा और उसे फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। इसके लगभग 10 मिनट बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पिता ने दूसरी जगह तय की थी शादी

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर विक्रम के पिता दिनेश और भाई अनुभव का रो-रोकर बुरा हाल था। पिता का कहना था कि उन्होंने अपने बेटे की शादी दूसरी जगह तय कर दी थी और कटरा समान के लोग जबरन शादी करने का दबाव बना रहे थे। इसी से परेशान होकर उनके बेटे ने आत्महत्या की है।

ये 5 सब्जियां कच्ची की बजाय पकाकर खाएं, सेहत के लिए हैं बेहतर

कई ऐसे फल और सब्जियां हैं, जिन्हें लोग कच्चा खाना ज्यादा पसंद करते हैं क्योंकि उनका मानना है कि कच्ची चीजें ज्यादा फायदेमंद होती हैं। हालांकि, कुछ फल और सब्जियां ऐसी भी होती हैं, जिन्हें पकाकर खाना सेहत के लिए ज्यादा अच्छा होता है। आइए आज हम आपको उन पांच चीजों के बारे में बताते हैं, जिन्हें कच्चा खाने की बजाय पका कर खाना बेहतर है क्योंकि इससे इनकी पौष्टिकता बढ़ जाती है।

गाजर

गाजर में विटामिन-ए की भरपूर मात्रा होती है, जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। हालांकि, कच्ची गाजर खाने से शरीर इसे पूरी तरह से नहीं ले पाता है। इसके लिए गाजर को हल्का पकाकर या जूस बनाकर पीना बेहतर है। गाजर को पकाने से इसमें मौजूद एक खास तत्व की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे शरीर को ज्यादा फायदा होता है। इसके अलावा पकी गाजर का स्वाद भी अच्छा होता है।

पालक

पालक में आयरन और कैल्शियम की अच्छी खासी मात्रा होती है, लेकिन इसके कच्चे रूप में एक ऐसा तत्व होता है, जो इन पोषक तत्वों को शरीर में जाने से रोकता है। इसके अलावा कच्चा पालक खाने से शरीर में पथरी बनने की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे में पालक को हल्का पकाकर या सूप के रूप में पीने से ये समस्याएं नहीं होती और शरीर को पालक से मिलने वाले पोषक तत्व मिलते हैं।

टमाटर

टमाटर में एक विशेष तत्व होता है, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले कणों से लड़ने में मदद कर सकता है। हालांकि, कच्चे टमाटर में यह तत्व पूरी तरह से नहीं होता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप टमाटर को सलाद के तौर पर खाने की बजाय सब्जी या फिर सूप के तौर पर खाएं। टमाटर को पकाने से न सिर्फ इसका स्वाद बढ़ता है, बल्कि यह शरीर में पहुंचने पर कैंसर से लड़ने वाला भी हो सकता है।

मशरूम

मशरूम को कच्चा खाने से शरीर में हानिकारक बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त कच्चे मशरूम में एक ऐसा तत्व होता है, जो पाचन पर बुरा असर डाल सकता है। इसलिए मशरूम को हमेशा पकाकर ही खाएं। साथ ही सलाद या अन्य व्यंजनों में इसका इस्तेमाल करने से पहले इसे कुछ मिनट पानी में भिगो लें।

सोयाबीन

सोयाबीन में प्रोटीन, फाइबर और कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, लेकिन कच्चे सोयाबीन में एक प्रकार का एंजाइम इन पोषक तत्वों को शरीर में जाने से रोक सकता है। इसके अतिरिक्त कच्चे सोयाबीन में एक और तत्व भी होता है, जो शरीर में आयरन समेत अन्य खनिजों को अवशोषित करने से रोकता है। इन कारणों से सोयाबीन को कच्चा खाने से नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप सोयाबीन को पका कर खाएं।

भारत के ऐसे लोकेशन्स जहां लैंडस्लाइड का नहीं रहता है खतरा, मानसून में भी घूमना है बेस्ट

अगर आप मानसून में पहाड़ों की सैर का मन बना रहे हैं लेकिन लैंडस्लाइड जैसी घटनाओं से डरते हैं, तो हम आपके लिए कुछ ऐसी लोकेशन बताने जा रहे हैं जहां आप बिना किसी डर के मानसून में भी नेचर का लुत्फ उठा सकते हैं।

मानसून में अक्सर लोग पहाड़ों पर जाने से कतराते हैं. क्योंकि इस वक्त पहाड़ों पर बारिश की वजह से लैंडस्लाइड का खतरा काफी ज्यादा रहता है. खासकर उत्तराखंड, हिमाचल और नॉर्थ ईस्ट के पहाड़ी क्षेत्रों में हर साल मानसून के दौरान लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिलती हैं, जिससे न केवल जानमाल का नुकसान होता है बल्कि यात्रियों की छुट्टियां भी खराब हो जाती हैं.

ऐसे में जो लोग मानसून के मौसम में नेचर का लुत्फ उठाना तो चाहते हैं लेकिन जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए कुछ हिल स्टेशन ऐसे भी हैं जहां लैंडस्लाइड का खतरा बेहद कम या ना के बराबर होता है। तो चलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे भारत के चार ऐसे लोकेशन्स, जो मानसून में भी पूरी तरह सुरक्षित माने जाते हैं और घूमने के लिहाज से भी बेहद खूबसूरत हैं।

मध्य प्रदेश का पंचमढ़ी

अगर आप लैंडस्लाइड से बचना चाहते हैं तो आपके लिए पंचमढ़ी एक अच्छा डेस्टिनेशन हो सकता है। ये मध्य प्रदेश के सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसा हिल स्टेशन है, जो खूबसूरत होने के साथ ही सेफ भी है। यहां की जमीन चट्टानी है , जिसकी वजह से यहां लैंडस्लाइड की घटनाएं न के बराबर होती हैं। मानसून में यहां की हरियाली, झरने और गुफाएं देखने लायक होती हैं। कम भीड़भाड़ और नेचर का मजा लेने के लिए ये जगह परफेक्ट है।

लोनावला भी है अच्छा ऑप्शन

पुणे और मुंबई के बीच स्थित लोनावला एक पॉपुलर वीकेंड गेटवे है, जो मानसून में देखने लायक होता है। ये आपको हिल स्टेशन की फुल वाइब देगा और यहां लैंडस्लाइड का खतरा भी बहुत कम होता है। मानसून में यहां के झरने, हरियाली, भुशी डैम और राजमाची किला देखने लायक होता है। सुरक्षित सड़कें और बेहतर कनेक्टिविटी इसे फैमिली के साथ घूमने के लिए परफेक्ट लोकेशन बनाती हैं।

घूम आएं माउंट आबू

राजस्थान का एकलौता हिल स्टेशन माउंट आबू अरावली पर्वतमाला में स्थित है। यह इलाका solid rocks से बना हुआ है, इसलिए यहां लैंडस्लाइड का खतरा नहीं होता है। मानसून में आप यहां आराम से घूम सकते हैं। बारिश के दौरान नक्की लेक, गुरु शिखर और दिलवाड़ा मंदिर जैसे स्थल बेहद आकर्षक लगते हैं। हालांकि, कम बारिश के बाद भी यहां का मौसम काफी अच्छा रहता है।

सरिस्का भी जा सकते हैं

अरावली रेंज में स्थित सरिस्का टाइगर रिजर्व मानसून में नेचर लवर्स के लिए बेस्ट जगह है। यहां की ज़मीन फर्म और लेवल में है, जिससे लैंडस्लाइड का कोई खतरा नहीं होता। यहां की वाइल्डलाइफ सफारी, जंगल वॉक और शांत वातावरण का मजा ले सकते हैं। अगर आप मानसून में यहां आते हैं तो यहां की हरियाली आपका मन मोह लेगी। साथ ही इस मौसम में आपको यहां कई जानवर भी देखने मिल जाएंगे।

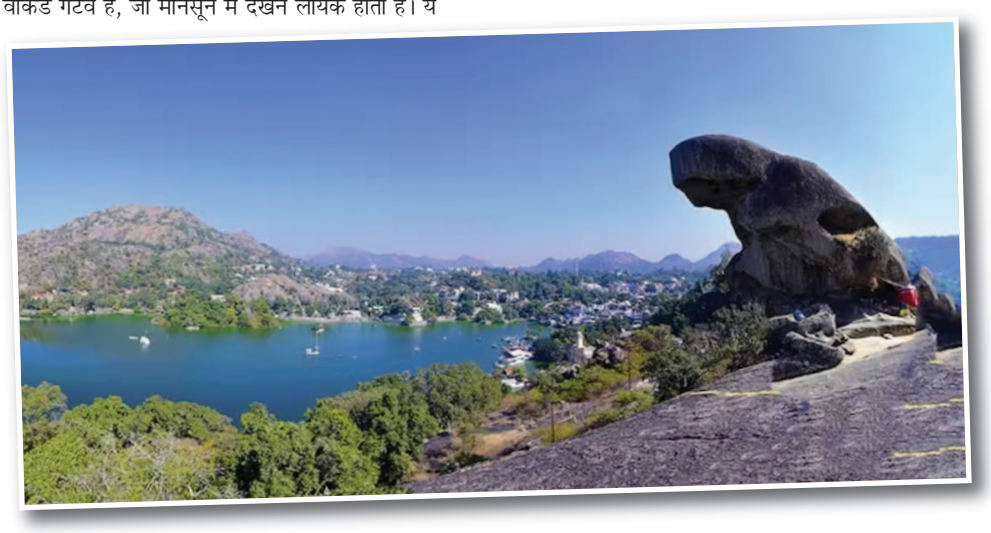

पहली बार हटाने जा रहीं फेशियल हेयर? तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

चेहरे के बाल हटाने से चेहरा सॉफ्ट और स्मूद लगता है, जिससे मेकअप भी काफी लंबे समय तक टिकता है। ऐसे में आज कल महिलाएं फेशियल हेयर हटा रही हैं। कुछ लोग पार्लर तो कुछ घर पर ही फेशियल रेजर से इन्हें रीमूव कर रही हैं। अगर आप पहली बार फेशियल हेयर रीमूव करने जा रही हैं तो, कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, जो हम इस आर्टिकल में बता रहे हैं।

आजकल महिलाएं फेशियल हेयर रिमूवल की ओर तेजी से रुख कर रही हैं। पहले जहां सिर्फ पार्लर जाकर थ्रेडिंग या वैक्सिंग का सहारा लिया जाता था, वहीं अब घर बैठे ही कई महिलाएं शेविंग, एपीलेटर, रेजर और फेशियल वैक्स का इस्तेमाल करने लगी हैं। लेकिन खुद से फेशियल हेयर हटाने के लिए सावधानी और सही तकनीक की जानकारी बेहद जरूरी है। खासकर जब आप पहली बार यह प्रोसेस करने जा रही हों, तो सही तरीका अपनाना बेहद जरूरी हो जाता है, वरना स्किन रैश, जलन या पिंपल्स जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

अगर आप भी पहली बार चेहरे के बाल हटाने जा रही हैं, तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है ताकि आपकी स्किन को कोई नुकसान न पहुंचे और आपको मिल सके स्मूद और क्लीन स्किन। तो आइए इस आर्टिकल में जानते हैं उन खास बातों के बारे में, जो आपको फेशियल हेयर हटाने से पहले और बाद में जरूर अपनानी चाहिए।

सबसे पहले स्किन टाइप जान लें

हर किसी की त्वचा अलग होती है, कोई ऑयली, कोई ड्राई, कोई सेंसिटिव। इसलिए फेशियल हेयर हटाने से पहले यह जानना जरूरी है कि आपकी स्किन टाइप क्या है। सेंसिटिव स्किन पर रेजर या वैक्सिंग का गलत इस्तेमाल जलन या एलर्जी ला सकता है।

स्किन को अच्छी तरह साफ करें

चेहरे से बाल हटाने से पहले चेहरे को माइल्ड फेसवॉश से अच्छे से धो लें। स्किन पर मौजूद ऑयल और गंदगी हटाना जरूरी है, ताकि रेजर या वैक्सिंग के दौरान पोर्स बंद न हों और इनफेक्शन का खतरा न हो। इसके साथ ही चेहरे को धोने के बाद कोई जेल या मॉइस्चराइजर लगाएं।

इस्तेमाल करें साफ और शार्प टूल्स

चाहे आप रेजर इस्तेमाल करें या एपीलेटर, ध्यान रखें कि वह नया और साफ हो। जंग लगे या पुराने ब्लेड्स से कट लग सकता है और स्किन इंफेक्शन भी हो सकता है। वहीं अगर आप वैक्स का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसका टैम्प्रेचर जरूर चेक करें।

बालों को हटाने के बाद मॉइस्चराइजर लगाएं

फेशियल हेयर रिमूवल के तुरंत बाद स्किन पर हल्का और बिना खुशबू वाला मॉइस्चराइजर लगाएं। इससे स्किन को ठंडक मिलेगी और जलन नहीं होगी। साथ ही स्किन को रेस्ट भी दें। बाल हटाने के बाद तुरंत मेकअप न करें इसमें कम से कम 6-8 घंटे का गैप दें।

धूप से बचाव करें

हेयर रिमूवल के बाद कुछ समय तक धूप में निकलने से बचें या सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। क्योंकि स्किन सेंसटिव होती है और धूप से जल्दी जल सकती है। इसके साथ ही बहुत ज्यादा बार फेशियल हेयर न हटाएं। हफ्ते या बार-बार बाल हटाने से स्किन थिन (पतली) हो सकती है। इसलिए फेशियल हेयर हटाने में 1520 दिन का गैप रखना बेहतर होता है।

क्या फेशियल हेयर हटाना सही है ?

हेल्थलाइन के मुताबिक, चेहरे के बाल हटाना एक कॉस्मेटिक (सौंदर्य से जुड़ा) फैसला होता है, खासकर महिलाओं के लिए। कुछ ही मामलों में ये मेडिकल रूप से जरूरी होता है, जैसे कि हर्सूटिज़्म (हॉर्मोनल असंतुलन के कारण चेहरे पर अधिक बाल आना)। वैसे तो अगर आप इसे सुरक्षित तरीके से करें या किसी प्रोफेशनल से करवाएं, तो इसमें कोई नुकसान नहीं है। लेकिन ध्यान रहे कि इससे इनग्रोन हेयर (अंदर की ओर उगने वाले बाल) या स्किन डैमेज (त्वचा को नुकसान) होने का खतरा भी हो सकता है।

इंसानों की तरह बोल सकते हैं ये 5 पक्षी, जानिए इनके बारे में

पक्षियों की दुनिया में कई ऐसे पक्षी हैं, जो अपने मालिक के साथ बातचीत कर सकते हैं। ये पक्षी इंसानों की तरह शब्दों को समझ सकते हैं और उन्हें दोहरा भी सकते हैं। ये पक्षी न केवल मजेदार होते हैं, बल्कि आपके जीवन में एक दोस्त की तरह भी होते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे पक्षियों के बारे में बताते हैं, जो इंसानों की तरह बोल सकते हैं और बातचीत कर सकते हैं।

अफ्रीकी ग्रे तोता

अफ्रीकी ग्रे तोता एक ऐसा पक्षी है, जो इंसानों की तरह बोल सकता है। यह पक्षी अपने मालिक के साथ बातचीत कर सकता है और कई शब्दों को आसानी से समझ सकता है। अफ्रीकी ग्रे तोता अपनी समझदारी और बातचीत की क्षमता के लिए जाना जाता है। यह पक्षी न केवल शब्दों को दोहरा सकता है, बल्कि अपनी आवाज और तरीके को भी बदल सकता है, जिससे यह और भी आकर्षक बन जाता है।

हीरामन तोता

हीरामन तोता एक और खास पक्षी है, जो इंसानों की तरह बोल सकता है। यह पक्षी अपने मालिक के साथ अच्छी तरह से जुड़ जाता है और कई शब्दों को याद कर सकता है। हीरामन तोता अपनी तेज समझदारी और बातचीत की क्षमता के लिए जाना जाता है। यह पक्षी न केवल शब्दों को दोहरा सकता है बल्कि अपनी आवाज और तरीके को भी बदल सकता है, जिससे यह और भी आकर्षक बन जाता है।

बडगैर

बडगैर एक छोटा लेकिन बहुत प्यारा पक्षी है, जो इंसानों की तरह बोल सकता है। यह पक्षी अपने मालिक के साथ अच्छी तरह से जुड़ जाता है और कई शब्दों को याद कर सकता है। बडगैर अपनी तेज समझदारी और बातचीत की क्षमता के लिए जाना जाता है। यह पक्षी न केवल शब्दों को दोहरा सकता है, बल्कि अपनी आवाज और तरीके को भी बदल सकता है, जिससे यह और भी आकर्षक बन जाता है।

मैना

मैना एक ऐसा पक्षी है, जो खासकर अपने मालिक के साथ बातचीत करने में माहिर होता है। यह पक्षी नए शब्द सीखने में बहुत तेज होता है और अपनी आवाज को भी बदल सकता है। मैना अपनी तेज समझदारी और बातचीत की क्षमता के लिए जाना जाता है। यह पक्षी न केवल शब्दों को दोहरा सकता है, बल्कि अपनी आवाज और तरीके को भी बदल सकता है, जिससे यह और भी आकर्षक बन जाता है।

काकातुआ

काकातुआ एक बेहद सुंदर पक्षी है, जो इंसानों की तरह बोल सकता है। यह पक्षी अपने मालिक के साथ अच्छी तरह से जुड़ जाता है और कई शब्दों को याद कर सकता है। काकातुआ अपनी तेज समझदारी और बातचीत की क्षमता के लिए जाना जाता है। यह पक्षी न केवल शब्दों को दोहरा सकता है, बल्कि अपनी आवाज और तरीके को भी बदल सकता है, जिससे यह और भी आकर्षक बन जाता है।

फास्टैग से टोल टैक्स ही नहीं, पार्किंग, पेट्रोल पंप और इंश्योरेंस की भी हो जाएगी पेमेंट, सबको ऐसे होगा फायदा

मंत्रालय चाहता है कि फास्टैग का उपयोग केवल टोल भुगतान तक सीमित न रहे, बल्कि इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग, पार्किंग फीस, और वाहन बीमा जैसी सेवाओं में भी हो। इससे न केवल आम लोगों को अधिक सुविधा मिलेगी, बल्कि डिजिटल ट्रांजेक्शन की पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय देशभर में FASTag के इस्तेमाल को और आसान और फिजिबल बनाने की दिशा में काम कर रहा है। अब मंत्रालय चाहता है कि फास्टैग का उपयोग केवल टोल भुगतान तक सीमित न रहे, बल्कि इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग, पार्किंग फीस, और वाहन बीमा जैसी सेवाओं में भी हो। इससे न केवल आम लोगों को अधिक सुविधा मिलेगी, बल्कि डिजिटल ट्रांजेक्शन की पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

सबको होगा फायदा

इस उद्देश्य को लेकर इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (IHMCL), जो नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) के अधीन काम करती है, ने फिनटेक कंपनियों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक में फास्टैग के वैकल्पिक उपयोग, नियम-कानून, ग्राहक शिकायतों और डेटा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।मंत्रालय ने बयान में कहा कि फास्टैग को टोल के अलावा अन्य सेवाओं के लिए इस्तेमाल करना लोगों के लिए काफी फायदेमंद होगा और इससे इस तकनीक को और विस्तार मिलेगा।

क्या है मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग सिस्टम?

इस बैठक का एक और मुख्य उद्देश्य था फिनटेक कंपनियों को मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF) टोलिंग सिस्टम से परिचित कराना। इस तकनीक के तहत वाहनों को टोल बूथ पर रुकने की आवश्यकता नहीं होती। RFID रीडर और ANPR कैमरो की मदद से वाहन की पहचान की जाती है और अपने-आप फास्टैग से भुगतान कट जाता है।

फास्टैग की मौजूदा स्थिति

वर्तमान में NETC फास्टैग प्रोग्राम के तहत देशभर में 1728 टोल प्लाज़ा पर यह सुविधा सक्रिय है, जिसमें 1113 नेशनल हाईवे और 615 स्टेट हाईवे शामिल हैं। टोल भुगतान का लगभग 98.5% हिस्सा फास्टैग के माध्यम से किया जा रहा है। अब तक 11.04 करोड़ से अधिक फास्टैग जारी किए जा चुके हैं, जो 38 से ज्यादा बैंकों के माध्यम से उपलब्ध हैं।

फास्टैग बनेगा मोबिलिटी का सुपर प्लेटफॉर्म

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फास्टैग सिस्टम में बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, हम फास्टैग को सिर्फ टोल भुगतान का जरिया नहीं, बल्कि देशभर में निर्बाध और स्मार्ट ट्रैवल का माध्यम बनाना चाहते हैं। गडकरी ने यह भी कहा कि मंत्रालय फिनटेक कंपनियों, टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर फास्टैग को एक मल्टी-फंक्शनल डिजिटल प्लेटफॉर्म में बदलना चाहता है, जिससे न केवल यात्रा सुगम होगी, बल्कि ट्रांसपोर्ट सेक्टर में डिजिटल क्रांति भी आएगी।

वार टेंशन का नहीं पड़ेगा भारत पर असर, इस रफ्तार से बढ़ेगी जीडीपी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। एजेंसी ने अनुमान जताया है कि मानसून अच्छा रहेगा और कच्चे तेल की कीमतें औसतन 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेंगी।

भू-राजनीतिक तनाव का नहीं होगा असर

हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और अनिश्चित व्यापार नीतियों के कारण इस वृद्धि परिदृश्य में नकारात्मक जोखिम पैदा हो रहे हैं। इक्रा ने बुधवार को जारी अपने मैक्रो अपडेट जून-2025 में यह जानकारी दी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले दो माह में आर्थिक गतिविधियों में मिला-जुला रुख देखने को मिला है। इसमें 17 गैर-कृषि संकेतकों में से केवल नौ में पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में सुधार दिखाई दे रहा है। हालांकि, ग्रीष्मकालीन फसलों का उत्पादन अच्छी गति से बढ़ने का अनुमान है। मई, 2025 में मानसून के जल्दी आने से बिजली और खनन क्षेत्रों के

प्रदर्शन पर आंशिक रूप से असर पड़ा।

ब्याज दरों में कटौती से हुआ GDP को फायदा

इसने कहा कि आयकर राहत, ब्याज दरों में कटौती और खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी के कारण शहरी उपभोग की संभावनाएं उज्ज्वल बनी हुई हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और शुल्क नीतियों को लेकर अनिश्चितता के कारण वैश्विक जोखिम ऊंचा बना हुआ है, जिससे घरेलू वृद्धि में बाधा उत्पन्न हो रही है।

इस रफ्तार से दौड़ेगी देश की GDP

रिपोर्ट कहती है कि चालू वित्त वर्ष के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, इसके नीचे की ओर जाने का जोखिम बढ़ गया है। इसमें कहा गया है कि अनुकूल मानसून पूर्वानुमान और खाद्य मुद्रास्फीति में संभावित गिरावट के कारण, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति पिछले वित्त वर्ष के 4.6 प्रतिशत से घटकर चालू वित्त वर्ष में 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के 3.7 प्रतिशत के अनुमान से कम है।

वोडाफोन-आइडिया की क्या पार होगी नैया, एसबीआई से मिलेगा 25,000 करोड़ का चेक

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया करीब 25,000 करोड़ रुपए (लगभग 2.9 अरब डॉलर) का लोन लेने के लिए बैंकों से बातचीत कर रही है। इसका मकसद अपने नेटवर्क को मजबूत करना और बड़े प्रतिद्वंद्वियों के साथ बेहतर तरीके से मुकाबला करना है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) से जो इस लोन के लिए बनने वाले बैंक समूह (कॉन्सोर्टियम) का नेतृत्व कर सकता है। यह लोन घरेलू और विदेशी दोनों स्रोतों से लिया जाएगा और इसकी अवधि लगभग 10 साल हो सकती है।

वोडाफोन आइडिया , जो अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला के नेतृत्व में काम कर रही है, को पहले इस लोन प्लान को टालना पड़ा था क्योंकि बैंक कंपनी की खराब वित्तीय हालत और सरकार के बकाए को लेकर चिंतित थे। अब फिर से प्रयास तेज हुए हैं क्योंकि ऐसी खबरें हैं कि सरकार टेलिकॉम कंपनियों को बकाए पर कुछ राहत देने पर विचार कर रही है। साथ ही, कंपनी से यूज़र्स छिटककर रिलायंस जियो और एयरटेल जैसी कंपनियों की ओर जा रहे हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। अगर लोन मिल जाता है, तो कंपनी अपने नेटवर्क विस्तार और स्पीड बढ़ाने पर खर्च कर सकेगी, जिससे उसे बाजार में अपनी हिस्सेदारी वापस पाने में मदद मिलेगी। इस साल अप्रैल में सरकार ने कंपनी की स्पेक्ट्रम बकाया राशि को शेयर में बदलते हुए कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 48.99% तक बढ़ा ली थी। वोडाफोन आइडिया की तरफ से फिलहाल इस खबर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है, वहीं SBI की ओर से भी कोई जवाब नहीं आया है। सूत्रों ने बताया कि इस फंड जुटाने की प्रक्रिया में विदेशी बैंक भी शामिल हो सकते हैं और यह प्रक्रिया एक साल के भीतर पूरी होने की उम्मीद है।

सरकारी राहत पर स्पष्टता नहीं

सरकार से बकाया राशि में किसी तरह की राहत को लेकर चल रही मीडिया खबरों पर 24 जून को वोडाफोन आइडिया ने कहा कि उन्हें इस संबंध में सरकार की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। मई में कंपनी के बोर्ड ने 20,000 करोड़ रुपये इक्विटी या कर्ज के जरिए जुटाने की मंजूरी दी थी।

'चाचा ट्रंप की बातें अब समझ से बाहर', अमेरिकी राष्ट्रपति की मेंटल हेल्थ पर उनके भतीजे का सनसनीखेज दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक स्थिति पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। लेकिन इस बार उनके अपने परिवार से। ट्रंप के भतीजे फ्रेड ट्रंप III ने खुलकर दावा किया है कि उनके चाचा में भी डिमेंशिया के लक्षण दिखने लगे हैं।

डिमेंशिया एक ऐसी स्थिति है जो मस्तिष्क के काम करने के तरीके को प्रभावित करती है, जिससे याददाश्त, सोचने की क्षमता और तर्क करने की क्षमता में कमी आती है। ट्रंप के भतीजे ने ये भी कहा उन्होंने ये भी कहा कि ट्रंप परिवार में पहले से इस बीमारी का इतिहास रहा है।

जो दादाजी में देखा, वही अब चाचा में दिख रहा है

हाल ही में फ्रेड ट्रंप III ने The Dean Obeidallah Show में शिरकत की और अपने नए किताब

All in the Family: The Trumps and How We Got This Way पर चर्चा करते हुए कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के पिता फ्रेड ट्रंप सीनियर आठ साल तक अल्ज़ाइमर्स से पीड़ित रहे थे, लेकिन ट्रंप ने हमेशा सार्वजनिक रूप से कहा कि उनके पिता आख़िरी वक्त तक पूरी तरह ठीक थे।

अब वो फोकस नहीं कर पाते... बातें भटक जाती हैं

फ्रेड III का दावा है कि डोनाल्ड ट्रंप अब पहले जैसे नहीं रहे। वो न केवल उम्रदराज दिखने लगे हैं, बल्कि उनके भाषण और इंटरव्यू भी अब बेतुके लगने लगे हैं। फ्रेड ने कहा कि अब वो एक बात पर टिक नहीं पाते। पहले वो अपने संदेश पर कायम रहते थे, अब सिर्फ उल-जुलूल बातें करते हैं।

बहन मैरी ट्रंप भी कर चुकी हैं ऐसे ही दावे

फ्रेड की बहन और पेशे से साइकोलॉजिस्ट मैरी ट्रंप पहले भी डोनाल्ड ट्रंप के मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठा चुकी हैं। दोनों भाई-बहन 2024 के चुनाव में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन कर चुके हैं और ट्रंप की वापसी को खतरनाक बता चुके हैं। दिलचस्प बात ये है कि ट्रंप अक्सर अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडन पर मानसिक कमजोरी के ताने कसते रहे हैं। लेकिन अब विशेषज्ञ और वोटर्स उन्हीं आरोपों को ट्रंप पर वापस थोपते दिख रहे हैं।

डॉक्टर ने दिया क्लीन चिट, पर सवाल अब भी बाकी

हालांकि व्हाइट हाउस के डॉक्टर सीन बारबरेला ने ट्रंप को बेहद स्वस्थ बताया है। उनके मुताबिक, ट्रंप ने मांट्रियल कॉग्निटिव असेसमेंट टेस्ट (MoCA) में पूरे 30 में से 30 नंबर हासिल किए हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से एकदम सामान्य माना जाता है। लेकिन परिवार के भीतर उठते सवाल और सार्वजनिक व्यवहार के बदलते तरीके इस स्वस्थ प्रमाण पत्र को संदेह के घेरे में ला रहे हैं।

तेहरान के बंकर से इस दिन बाहर निकलेंगे ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई?

तेहरान। बंकर में छिपे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई आखिर कब बाहर निकलेंगे? तेहरान से लेकर इजराइल की राजधानी तेल-अवीव तक यह सवाल सुर्खियों में है। 13 जून को इजराइल अटैक के तुरंत बाद खामेनेई को तेहरान के पास ईरान आर्मी ने एक बंकर में छिपा दिया है। तब से खामेनेई अपने सुरक्षाबलों के साथ बंकर में ही मौजूद हैं।

अब जो चर्चा चल रही है, उसके मुताबिक 28 जून (शनिवार) को खामेनेई बंकर से बाहर निकल सकते हैं। दरअसल, ईरान ने ऐलान किया है कि 28 जून को इजराइली हमले में मारे गए कमांडर और वैज्ञानिकों का वो अंतिम संस्कार करेगा। ऐसे में इस बात की संभावनाएं है कि ईरान के इन शहीद सैनिकों के जनाजा-ए-नमाज में खामेनेई भी शामिल हो।

खामेनेई ईरान सत्ता प्रमुख के साथ-साथ धार्मिक प्रमुख भी हैं। पहले भी बड़े कमांडर या अधिकारियों के जनाजे में वे शरीक होते रहे हैं। हिजबुल्लाह के चीफ जब नसरुल्लाह का अंतिम संस्कार लेबनान के बेरुत में हुआ था। खामेनेई इसमें शामिल होने के लिए बेरुत पहुंचे थे। नसरुल्लाह को खामेनेई का करीबी माना जाता था। 2020 में जनरल कासिम सुलेमानी का जब इराक में जनाजा निकलान तो खामेनेई रो पड़े थे। उन्होंने सुलेमानी की मौत को कभी ना भूलाने वाला बताया था। सुलेमानी की हत्या का आरोप अमेरिकी एजेंसियों पर लगे थे।

पुराने ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए कहा जा रहा है कि खामेनेई इस बार भी बंकर से जनाजा में शामिल होने के लिए बाहर आएंगे। ईरान सरकार के मुताबिक तेहरान में 28 जून को सुबह 8 बजे कमांडर और वैज्ञानिकों को दफनाया जाएगा। दफन की प्रक्रिया पूरी करने से पहले तेहरान में ही आखिरी नमाज पढ़ा जाएगा। कहा जा रहा है कि खामेनेई खुद इसका नेतृत्व कर सकते हैं। एक्सियोस के मुताबिक खामेनेई से ईरान के बड़े अफसरों का कनेक्शन कट गया है। यह खुलासा तब हुआ, जब ईरान पर अमेरिकी बम गिरने से पहले तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोआन ने खामेनेई से संपर्क करने की कोशिश की। ईरान के राष्ट्रपति ने तुर्किए से कहा कि खामेनेई से संपर्क नहीं हो पा रहा है, इसलिए हम आपसे बात नहीं करा सकते हैं। खामेनेई की सुरक्षा ईरान की स्पेशल सिक्योरिटी गार्ड के हवाले है। इसे सेपाह-ए-वली-ए-अम्र कहा जाता है। इस फोर्स में करीब 12 हजार बॉडीगार्ड्स रहते हैं। जो अलग-अलग तरीके से अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं। जंग शुरू होते ही खामेनेई ने खुद को वली-अम्र के हवाले कर दिया था, जिसके बाद उन्हें सुरक्षित बंकर में ले जाया गया।

ईरान और इजराइल छोड़िए...नई जंग का धुआं तो कहीं और ही उठ रहा है!

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान-इजराइल जंग ने दुनिया भर की सुर्खियां बटोरीं। इस दौरान अमेरिका ने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर पूरी दुनिया को चौंका दिया। लेकिन असली खतरा शायद वहां नहीं, कहीं और पनप रहा है। एक ऐसा देश जो पहले से परमाणु हथियारों से लैस है, और अब इस हमले को अपनी रणनीति को तेज करने का बहाना मान सकता है। ये देश है उत्तर कोरिया। तानाशाह किम जोंग उन का साम्राज्य, जो अब और ज्यादा सतर्क हो गया है।

किम जोंग उन पहले से ही मानते हैं कि परमाणु हथियार ही उनकी सत्ता की गारंटी हैं। और अब जब अमेरिका ने एक ऐसे देश पर हमला किया है, जो अभी परमाणु हथियार बना नहीं पाया, तो यह उत्तर कोरिया के लिए एक सीधा संदेश बन गया है कि बिना हथियारों के रहना, खतरे से खाली नहीं।

रूस-कोरिया- दोस्ती का नया चैप्टर

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद उत्तर कोरिया और रूस की बढ़ती दोस्ती को और मजबूती मिल सकती है। यूक्रेन युद्ध के दौरान प्योंगयांग ने रूस को हथियार और सैनिक भेजे, और इसके बदले रूस ने उसे आधुनिक सैन्य तकनीक से लेकर तेल तक दिया। अब ये रिश्ता महज व्यापार नहीं रहा, बल्कि रणनीतिक साझेदारी में बदल रहा है। हथियारों का साझा विकास, सैन्य अभ्यास और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर। ये सब आने वाले महीनों में तेज़ी से बढ़ सकते हैं।

सियोल और वॉशिंगटन की टेंशन बढ़ी

उत्तर कोरिया के पास अब 40 से 50 परमाणु हथियार माने जाते हैं, और ICBM जैसी मिसाइलें जो अमेरिका तक भी मार कर सकती हैं। ऐसे में अमेरिका के लिए अब उत्तर कोरिया के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है। ईरान की तुलना में उत्तर कोरिया ज्यादा खतरनाक है। उसके पास हथियार हैं, साधन हैं और अब रूस जैसा मजबूत साझेदार भी।

अमेरिका का ईरान पर हमला शायद एक संदेश था, लेकिन उत्तर कोरिया उसे एक और वजह के तौर पर देख सकता है। और वो वजह है अपने परमाणु कार्यक्रम को तेज़ करना। तो कुल जमा बात ये है कि इस हमले ने किम जोंग उन को डराया नहीं है, बल्कि शायद उन्हें और यकीन दिला दिया है कि जिनके पास परमाणु हथियार नहीं होते, वही निशाना बनते हैं। और यही सोच आने वाले समय में दुनिया को और अस्थिर कर सकती है।

सीजफायर हुआ लेकिन ईरान का पीछे नहीं छोड़ेगा इजराइल, मोसाद के जासूस अब भी मिशन में जुटे

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर तो हो गया है मगर लगता नहीं हालात इतनी जल्दी सामान्य होने वाले हैं। वो इसलिए क्योंकि ईरान के खिलाफ चलाए गए गुप्त ऑपरेशन के बाद अब इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने पहली बार खुलकर अपनी भूमिका को दुनिया के सामने रखा है। मोसाद प्रमुख डेविड बरनेआ ने बुधवार को अपने एजेंटों के लिए जारी एक वीडियो का अंश सार्वजनिक किया, जिसमें उन्होंने ईरान के खिलाफ मोसाद की अकल्पनीय कामयाबी की बात कही।

वीडियो में बरनेआ ने अपने एजेंटों से कहा कि हम वहां थे, जैसे पहले थे और आगे भी रहेंगे। उनके इस बयान को ईरान के लिए एक खुली चेतावनी की तरह देखा जा रहा

है। बरनेआ ने कहा कि ईरान के खिलाफ जो कुछ भी किया गया, वह महीनों और सालों की तैयारी का नतीजा था, हमने समय की गंभीरता को समझा और सही वक्त का इंतज़ार किया।

इस खुलासे में सबसे चौंकाने वाली बात ये रही कि ऑपरेशन के दौरान ईरान के अंदर मोसाद के सैकड़ों एजेंट सक्रिय थे। यही नहीं, एजेंसी ने दावा किया कि उन्होंने ईरान के सैन्य कमांडरों और न्यूक्लियर साइंटिस्ट्स की टारगेट किलिंग की, साथ ही ड्रोन और मिसाइल फैसिलिटीज को भी तबाह किया।

सीक्रेट ऑपरेशन के दुर्लभ वीडियो जारी

मोसाद ने शुक्रवार को ईरान पर हुई बमबारी की तैयारियों और उसके निष्पादन से जुड़े तीन दुर्लभ वीडियो जारी किए। इनमें बैलिस्टिक मिसाइल अड्डों और एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाने वाले ऑपरेशन की झलक है। हालांकि एजेंट्स के चेहरे ढके हुए हैं, लेकिन यह मोसाद के लिए एक असामान्य कदम है, क्योंकि आमतौर पर ऐसे ऑपरेशंस पर चुप्पी साधी जाती है।

अमेरिका और इजराइली सेना का भी सहयोग

बरनेआ ने इस मिशन में आईडीएफ इंटेलिजेंस, सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एयाल ज़मीर और अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के सहयोग को भी सराहा। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा से बचे हुए 50 बंधकों में से 20 जीवित हैं, और मोसाद उन्हें वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगता है... आखिरी क्यों अमेरिकी नेता जोहरान ममदानी पर बरस पड़ीं कंगना

मुंबई, एजेंसी। इस समय अमेरिका के जोहरान ममदानी चर्चा में बने हुए हैं। ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का प्राइमरी चुनाव जीत लिया है। इसी के बाद अब एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भारतीय मूल के जोहरान ममदानी पर हमला बोला है। रनौत ने दावा किया कि ममदानी भारतीय की तुलना में पाकिस्तानी ज्यादा लगते हैं।

कंगना रनौत ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक वीडियो पोस्ट की। साथ ही उन्होंने लिखा,जोहरान ममदानी की मां मीरा नायर हैं, जो हमारे बेस्ट फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। जिन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। मीरा नायर भारत में पैदा हुईं और न्यूयॉर्क में रहती हैं। कंगना रनौत ने आगे कहा, मीरा नायर ने एक फेमस लेखक महमूद ममदानी जोकि गुजराती मूल के हैं उनसे शादी की। जाहिर तौर पर बेटे का नाम जोहरान है, वो भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगता है।

जोहरान ममदानी पर बरसीं कंगना

कंगना ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया। इस पोस्ट के साथ कंगना ने जोहरान ममदानी को लेकर कहा, उनकी हिंदू पहचान या बल्डलाइट के साथ जो कुछ भी हुआ, लेकिन अब वो हिंदू धर्म को मिटाने के लिए तैयार हैं, वाह!! हर जगह एक ही कहानी है। अलग-अलग मौकों पर मीरा जी से मुलाकात हुई। माता-पिता को बधाई।

क्यों बरस पड़ी कंगना रनौत

कंगना रनौत ने अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो शेयर की है। इस वीडियो में दावा किया गया है कि जोहरान ममदानी ने टाइम्स स्क्वायर पर प्रोटेस्ट किया। इस वीडियो को पोस्ट करने के साथ ही जोहरान ममदानी पर कंगना बरसी हैं।

कांग्रेस नेता ने भी साधा निशाना

कंगना के साथ ही एक और बीजेपी नेता ने जोहरान ममदानी पर कमेंट किया है। कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने भी 33 वर्षीय ममदानी की आलोचना की। सिंघवी ने कहा, भारत को उनके जैसे सहयोगियों की "ज़रूरत नहीं" है।

सिंघवी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, जब जोहरान ममदानी अपना मुंह खोलते हैं, तो पाकिस्तान की पीआर टीम छुट्टी ले लेती है। भारत को उसके जैसे 'सहयोगियों' वाले दुश्मनों की जरूरत नहीं है, जो न्यूयॉर्क से काल्पनिक बातें करते हैं।

कौन हैं जोहरान ममदानी?

जोहरान ममदानी ने पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया।वो भारतीय फिल्ममेकर मीरा नायर और युगांडा के भारतीय मूल के लेखक महमूद ममदानी के बेटे हैं। ममदानी का जन्म 18 अक्टूबर 1991 को युगांडा के कंपाला में हुआ और उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क शहर में हुआ। जब वो सात साल के थे, तब वो अपने माता-पिता के साथ न्यूयॉर्क चले गए थे।

अहमदाबाद एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में देरी पर सवाल, ब्लैक बॉक्स पर आया बड़ा अपडेट

अहमदाबाद, एजेंसी अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान AI 171 12 जून को हादसे का शिकार हो गया था। इस घटना में प्लेन में सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी, सिर्फ 1 शख्स ही जिंदा बचा था। हादसे को 2 हफ्ते से ज्यादा हो गए हैं। कांग्रेस जांच में देरी पर सवाल उठा रही है। उसका कहना है कि जांच के लिए अभी तक मुख्य जांचकर्ता की नियुक्ति नहीं हुई है। कांग्रेस के हमले के बीच विमान के ब्लैक बॉक्स को लेकर अपडेट आया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा है कि फ्रंट ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया है और मेमोरी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया है। मंत्रालय ने कहा, 24 जून को फ्रंट ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया। 25 जून को मेमोरी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया और इसका डेटा एएआईबी लैब में डाउनलोड किया गया। सीवीआर और एफडीआर डेटा का विश्लेषण चल रहा है। मंत्रालय ने आगे कहा, इन प्रयासों से घटनाओं के सीक्वेंस को फिर से बनाना, विमानन सुरक्षा को बढ़ाने और भविष्य की घटनाओं को रोकने के लिए योगदान देने वाले कारकों की पहचान करना है। जांच में हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि अब तक मुख्य जांचकर्ता की नियुक्ति नहीं हुई है। यह देरी अस्पष्ट और अक्षम्य है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है।

'हवाईअड्डे से हाईवे तक खोले जाएं, हर नागरिक को मिले सुरक्षा', मणिपुर पर वर्ल्ड मैतेई काउंसिल की अपील

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष के बीच वर्ल्ड मीतेई काउंसिल (WMC) ने राज्य के कुकी और मैतेई विधायकों से बड़ी अपील की है। संगठन ने दोनों पक्षों के जनप्रतिनिधियों से राजनीति से ऊपर उठने और हिंसा रोकने की जिम्मेदारी लेने की बात कही है। काउंसिल का कहना है कि पिछले दो साल से जारी संघर्ष ने हजारों परिवारों को उजाड़ दिया है और राज्य को बुरी तरह बांट दिया है।

वर्ल्ड मीतेई काउंसिल ने बयान जारी कर कहा कि अब वक्त आ गया है कि कुकी और मैतेई समुदाय के विधायक एक-दूसरे से सीधे संवाद करें। संगठन ने सवाल उठाया कि अगर चुने हुए प्रतिनिधि ही कदम नहीं उठाएंगे तो फिर कौन उठाएगा? काउंसिल का कहना है कि राजनीतिक मतभेदों को छोड़कर सभी विधायकों को मिलकर हल निकालना होगा, क्योंकि सबसे ज्यादा पीड़ा आम जनता झेल रही है।

दो साल से जारी है जातीय संघर्ष

बता दें कि मई 2023 से कुकी-जो और मैतेई समुदायों के बीच जारी जातीय हिंसा में अब तक 260 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जबकि हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। हालात इतने गंभीर हो गए कि केंद्र सरकार को 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करना पड़ा। राज्य विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है।

हवाई अड्डा और हाईवे सभी के लिए खुले

वर्ल्ड मीतेई काउंसिल ने यह भी कहा कि इंफाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट सभी नागरिकों के लिए खुला रहना चाहिए। संगठन ने मैतेई समुदाय से सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी निभाने की अपील की है ताकि वहां आने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, चाहे वो किसी भी समुदाय का हो। इसके साथ ही सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को भी हिंसा और डर से मुक्त करने की बात कही गई है।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बनी एयरक्रैश घटना

काउंसिल ने अहमदाबाद एयरक्रैश हादसे में मारे गए मैतेई और कुकी समुदाय के पीड़ितों का इंफाल एयरपोर्ट पर संयुक्त रूप से स्वागत करने को एक सकारात्मक कदम बताया। संगठन ने कहा कि यह इशारा बताता है कि अगर हम चाहें तो साथ रह सकते हैं और शांति की ओर बढ़ सकते हैं।

छोटा कदम भी ला सकता है बड़ा बदलाव

काउंसिल ने अपने बयान में कहा कि सही दिशा में उठाया गया एक छोटा लेकिन ठोस कदम मणिपुर में हालात सामान्य करने की शुरुआत हो सकता है। संगठन ने दोहराया कि आखिरकार, हमें मिल-जुलकर ही इस राज्य में रहना है। ऐसे में हर समुदाय को हिंसा छोड़कर शांति का रास्ता अपनाना होगा।

'कुंवारी पत्नी' वाले बयान पर प्रियंका चोपड़ा ने दी प्रतिक्रिया, कहा- ऑनलाइन सावधान रहें

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सफाई पेश करते हुए एक पोस्ट शेयर की है। पोस्ट में उन्होंने उस लिंक को पोस्ट किया है जिसमें दावा किया जा रहा है कि उन्होंने कुंवारेपन को लेकर बात कही है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा ने मर्दों को यह नसीहत दी है कि वह पत्नी को ढूंढते समय कुंवारेपन पर ध्यान न दें। हालांकि प्रियंका चोपड़ा ने इस बात से इंकार किया है। उनके मुताबिक उन्होंने ऐसी बात नहीं कही है। उन्होंने इस पोस्ट को फर्जी बताया है। उन्होंने कहा है कि कोई भी कंटेट सिर्फ इसलिए असली नहीं हो जाता कि वह ऑनलाइन वायरल है।

प्रियंका ने दी दी सलाह

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सफाई पेश करते हुए एक पोस्टर शेयर किया है। पोस्ट में उन्होंने उस लिंक को पोस्ट किया है जिसमें दावा किया जा रहा है कि उन्होंने कुंवारेपन को लेकर बात कही है। पोस्ट में लिखा है कि प्रियंका ने कहा है 'कुंवारी दुल्हन न ढूंढें। अच्छी आदत वाली दुल्हन ढूंढें। क्योंकि कुंवारापन एक रात में खत्म हो जाता है और अच्छी आदत हमेशा रहती है।'

इंस्टा स्टोरी पर प्रियंका ने दी सफाई

प्रियंका चोपड़ा ने इस पोस्ट को फर्जी बताया और इंस्टा स्टोरी के जरिए अपनी बात रखी है। प्रियंका चोपड़ा ने कहा 'यह मेरी कही हुई बात नहीं है न ही मेरी आवाज है। क्योंकि यह ऑनलाइन है, इसका मतलब यह नहीं है कि यह सच है। नकली सामग्री बनाना अब वायरल होने का एक आसान तरीका बन गया है।'

प्रियंका ने लोगों को दी नसीहत

प्रियंका चोपड़ा ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर चीजों को देखते वक्त बहुत सावधान रहें। इंटरनेट पर मौजूद हर चीज पर भरोसा न करें। हर लिंक भरोसेमंद नहीं होती। यकीन करने से पहले इसे चेक करें। इस तरह के कंटेट पर भरोसा न करें। हर चीज पर भरोसा न करें और ऑनलाइन सेफ रहें।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आएंगी। यह फिल्म अमेजन प्राइम पर 2 जूलाई को रिलीज होगी। फिल्म में अमेरिका के राष्ट्रपति और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के बारे में दिखाया जाएगा।

साउथ सुपरस्टार को देखकर याद आए हार्दिक पांड्या, क्रिकेटर की बायोपिक पर लोगों ने कही बड़ी बात

अभिनेता धनुष को हाल ही में फिल्म मां की स्क्रीनिंग पर देखा गया, जहां उनके लुक ने एक बार फिर लोगों का ध्यान खींचा। उनके लुक ने एक बार फिर क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की याद दिला दी।

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी फिल्म 'कुबेरा' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक परफॉर्म कर रही है। हाल ही में वो मुंबई में फिल्म 'मां' की स्क्रीनिंग पर पहुंचे, जहां उनका लुक देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया। इवेंट पर धनुष ने मीडिया को पोज दिए। उन्हें देखकर हर किसी को क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की याद आ गई। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें हार्दिक का 'बिछड़ा हुआ भाई' तक कह दिया।

धनुष को बताया हार्दिक का बिछड़ा हुआ भाई

जैसे ही धनुष इवेंट में पहुंचे और कैमरों के सामने आए, वैसे ही उनका वीडियो वायरल हो गया। यूजर्स ने उनके पहनावे और स्टाइल की तुलना सीधे-सीधे हार्दिक पांड्या से कर दी। किसी ने लिखा, 'ये तो हार्दिक का जुड़वां लग रहा है', तो किसी ने मजाकिया अंदाज में कमेंट किया, 'हार्दिक की बायोपिक में तो बस यही चाहिए, ब्लॉकबस्टर पक्की!'

एयरपोर्ट पर भी हार्दिक जैसे लुक में दिखे थे एक्टर

कुछ दिन पहले भी जब धनुष को फिल्म 'कुबेरा' के प्रमोशन के दौरान एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था, तब भी उनका लुक हार्दिक से मिलता-जुलता बताया गया था। उस समय भी उन्होंने वही कूल और अर्बन लुक अपनाया था, जो क्रिकेटर की पब्लिक अपीयरेंस से मेल खाता है। लोगों ने यहां तक कह दिया कि अगर दोनों साथ खड़े हो जाएं तो पहचानना मुश्किल हो जाएगा।

हार्दिक की बायोपिक में धनुष को लेने की डिमांड

इन लगातार तुलना और तारीफों के बीच अब सोशल मीडिया पर फैंस की डिमांड उठ रही है कि अगर कभी हार्दिक पांड्या की बायोपिक बने, तो उसमें धनुष को ही लीड रोल मिलना चाहिए। एक यूजर ने लिखा, 'धनुष की आंखों में भी वही एटीट्यूड है, जो हार्दिक की परफॉर्मेंस में दिखता है।' ज्यादातर लोगों का यही कहना है कि धनुष को ही हार्दिक की बायोपिक में काम करना चाहिए।

धनुष का फिल्मी करियर

धनुष के फिल्मी करियर की बात करें तो वो फिल्म 'कुबेरा' में नजर आए हैं। इस फिल्म में उनके साथ साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन और रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में दिलीप ताहिल, सयाजी शिंदे, दिव्या डेकाटे और हरीह पेराडी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com